दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-150 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 23 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सरकार के सामने रखी शर्त आश्वासन मिलने पर तोड़ दूंगा अनशनः वांगचुक

नई दिल्ली(ए.)। शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं किए का आश्वासन मिलने पर वे अपना अनिश्चितकालीन अनशन तोड़ देंगे। वांगचुक ने अपना यह पत्र एक्स पर साझा किया है।वांगचुक ने पत्र में कहा, यदि सरकार प्रदर्शन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई न करने का स्पष्ट आश्वासन देती है, तो वह विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर देंगे। वांगचुक ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों का अस्पताल आकर उनसे मुलाकात करने और अनशन समाप्त करने की अपील करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान मंत्रियों ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और संसद में इस मुद्दे पर सार्थक चर्चा कराने सहित शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तथा उनके इस्तीफे पर विचार को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया।वांगचुक ने कहा कि 20 जुलाई को आयोजित संसद मार्च पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी मामला, उत्पीड़न या प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं होगी।उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने भी उन्हें पत्र लिखकर और व्यक्तिगत रूप से मिलकर अनशन समाप्त करने की अपील की है।वांगचुक ने कहा कि वह देश, छात्रों और शिक्षा के लिए अपना काम जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन युवाओं की कीमत पर नहीं, जिनके लिए यह आंदोलन शुरू किया गया।

जम्मू-कश्मीर में चौथे दिन भी शुरू नहीं हो सकी अमरनाथ और वैष्णोदेवी की यात्रा

जम्मू,(ए.)। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम की वजह से श्री अमरनाथ जी यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा चौथे दिन भी शुरू नहीं हो सकी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार शाम को ही इन यात्रों को रोक दिया था।मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में नंदीवान-पहलगाम के दो रास्तों से होने वाली अमरनाथ यात्रा 18 जुलाई की शाम को रोक दी गई थी। इसके साथ ही कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर, रियासी में शिव खोड़ी मंदिर और किश्तवाड़ में मचैल माता मंदिर की यात्रा भी उसी दिन रोक दी गई थी।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से विधानसभा के समिति कक्ष क्र.1 में विधानसभा सत्र की कार्यवाही देखने जबलपुर के स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल से आए विद्यार्थियों के दल ने सौजन्य भेंट की।

युवाओं को राजनीतिक औजार बना रहा विपक्ष, छात्र आकांक्षाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (ए.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान सड़क पर समाधान खोजने का प्रयास अनुचित है।राजनाथ सिंह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। भारत के जागरूक और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को समझते हैं और प्रगति, विकास तथा राष्ट्र निर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

नीट पेपर लीक को लेकर राज्यसभा में हंगामा, सरकार बोली- हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली, (ए)। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में नीट पेपर लीक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार शुरू से ही नीट पेपर लीक सहित हरेक मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष नारेबाजी कर सदन की कार्यवाही क्यों बाधित कर रहा है।वहीं, सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने भी कहा कि सरकार नीट पेपर लीक समेत हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने विरोध-प्रदर्शन के जरिए सदन की गरिमा का अनादर कर रहा है।विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

अनुराग जैन को नीति आयोग के सीईओ की जिम्मेदारी

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को केंद्र सरकार ने नई जिम्मेदारी सौंपते हुए नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस फैसले के साथ ही उनके मुख्य सचिव के रूप में दूसरी बार सेवा विस्तार मिलने को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी विराम लग गया है।केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने बुधवार को जारी आदेश में 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अनुराग जैन की नियुक्ति को मंजूरी दी। आदेश के अनुसार, वे पदभार ग्रहण करने के साथ ही नीति आयोग के सीईओ के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल स्वीकृत सेवा-विस्तार अवधि तक रहेगा तथा आवश्यकता होने पर अधिकतम दो वर्ष या अगले आदेश तक जारी रह सकेगा।अनुराग जैन का मूल सेवानिवृत्ति वर्ष 2025 था, लेकिन केंद्र सरकार ने उन्हें सेवानिवृत्ति से पहले एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। इसी कारण उनका वर्तमान कार्यकाल 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित है।बीते कुछ समय से यह संभावना जताई जा रही थी कि उन्हें मुख्य सचिव के रूप में पुन: सेवा विस्तार मिल सकता है। हालांकि अब नीति आयोग में नई नियुक्ति के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य को जल्द नया मुख्य सचिव मिलेगा।अनुराग जैन ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव का पद संभाला था। इससे पहले वे केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।उनके कार्यकाल में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक व्यवस्था में बेहतर समन्वय तथा केंद्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल को विशेष उपलब्धियों के रूप में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ उनकी कई महत्वपूर्ण बैठकों ने भी प्रशासनिक स्तर पर सकारात्मक भूमिका निभाई। ग्वालियर निवासी अनुराग जैन ने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के मैक्सवेल स्कूल से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। अपने प्रशासनिक करियर में वे भोपाल कलेक्टर, अपर मुख्य सचिव (वित्त) और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सचिव जैसे अहम दायित्व भी निभा चुके हैं।

IAS अशोक बर्णवाल प्रदेश के स्थानापन्न मुख्य सचिव नियुक्त

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश शासन के प्रशासनिक अमले में एक बड़ा फेरबदल हुआ है। राज्य सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक बर्णवाल को मध्य प्रदेश शासन के स्थानापन्न मुख्य सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) द्वारा 22 जुलाई 2026 को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, अशोक बर्णवाल वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (ACS) के पद पर तैनात हैं। इसके साथ ही उनके पास भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अपर मुख्य सचिव और खाद्य सुरक्षा, मध्य प्रदेश के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी है। अब उन्हें अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से मध्य प्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

मप्र विधानसभाः दिल्ली में छात्रों पर कार्रवाई और केन-बेतवा मुआवजा मुद्दे पर सरकार को घेरा, उमंग सिंघार ने सदन में की चर्चा की मांग

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई, कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी तथा केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मुआवजे के मुद्दे को प्रमुखता से सदन में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन महत्वपूर्ण जनहित के विषयों पर चर्चा से बच रही है। सत्र शुरू होने से पहले उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के सदस्य दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद सदन के भीतर उन्होंने इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की। सिंघार ने कहा कि अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, लेकिन सरकार इस मामले पर जवाब देने के बजाय चर्चा से बचती रही। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक, भर्ती घोटालों और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से युवा पहले ही परेशान हैं, ऐसे में छात्रों के साथ हुई कार्रवाई कई गंभीर सवाल खड़े करती है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन मुद्दों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध-प्रदर्शन किया था। साथ ही आरोप लगाया कि प्रदेश के छात्रों के लिए अराजक और कॉकरोच जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसे उन्होंने युवाओं का अपमान बताया। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार और मुख्यमंत्री के पास प्रदेश के युवाओं की समस्याओं पर चर्चा के लिए समय नहीं है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने इस विषय पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा की अनुमति नहीं दी।

केन-बेतवा परियोजना के प्रभावितों का मुद्दा भी उठाया

नेता प्रतिपक्ष ने सदन में केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मुआवजा वितरण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि छतरपुर और पन्ना जिलों के कई प्रभावित परिवारों को अब तक उचित मुआवजा नहीं मिला है और मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। सिंघार ने सरकार से पूछा कि परियोजना से प्रभावित कितने परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है और इस संबंध में विस्तृत जानकारी सदन के पटल पर रखी जाए। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये का मुआवजा वितरित किए जाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन यदि अनेक परिवार अब भी अपने अधिकार से वंचित हैं तो विस्थापन और परियोजना की आगे की प्रक्रिया किस आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।

ओंकारेश्वर मंदिर में सुबह नौ बजे के बाद पंडितों के प्रवेश पर रोक, सुरक्षाकर्मियों ने रोका तो कलेक्टर से लगाई गुहार

खंडवा(ए.)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में बुधवार सुबह नियमित पूजन-अर्चन कराने वाले पंडितों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

टी-पॉइंट पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने के बाद पंडितों और मंदिर प्रबंधन के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई।

पंडितों ने इस फैसले के खिलाफ खंडवा कलेक्टर से शिकायत कर समाधान की मांग की है।बुधवार सुबह 9 बजे के बाद जब स्थानीय पंडित नियमित पूजन और दर्शन के लिए मंदिर की ओर बढ़ने लगे, तो टी-पॉइंट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। पंडित राधे तिवारी और नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष नवल किशोर शर्मा ने आरोप लगाया कि सिक्योरिटी कंपनी के इंचार्ज तिलोक त्यागी ने एक संदेश जारी कर सुबह 9 बजे के बाद किसी भी पंडित को मंदिर में प्रवेश न देने के निर्देश दिए थे।

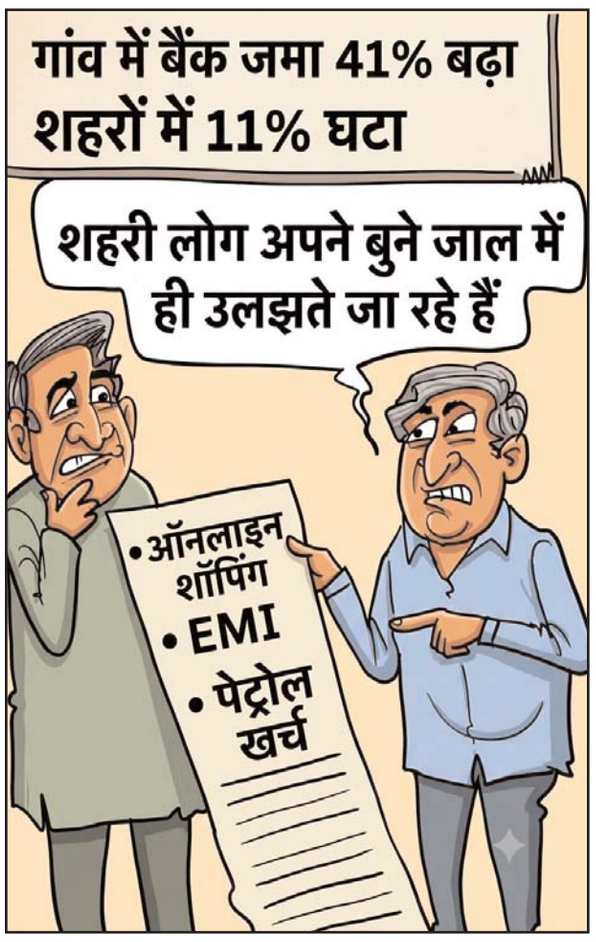

मध्य प्रदेश के 15 जिलों में आज भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट, अगले चार दिन तेज बारिश के आसार

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। पिछले 36 घंटों के दौरान प्रदेश के 35 से अधिक जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। अगले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। आज बुधवार को 15 जिलों के लिए भारी और अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी भोपाल में भी मंगलवार रात से लगातार रिमझिम बारिश हो रही है।मौसम विभाग ने शिवपुरी, गुना, सागर और डिंडौरी में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान 4 से 8 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं, श्योपुर, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, धार और बड़वानी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर और निवाड़ी में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश होने के आसार हैं। लगातार हुई बारिश का असर प्रदेश के कुल वर्षा आंकड़ों पर भी दिखाई दिया है। सोमवार तक मध्य प्रदेश में सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी, जो मंगलवार तक घटकर 14 प्रतिशत रह गई। मौसम विभाग के अनुसार, अब तक प्रदेश में 286.8 मिमी (11.3 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई है, जबकि इस अवधि तक सामान्य रूप से 335.3 मिमी (13.2 इंच) वर्षा होनी चाहिए थी। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 18 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 11 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। फिलहाल प्रदेश के 41 जिलों में वर्षा का आंकड़ा सामान्य से कम बना हुआ है। पूर्वी क्षेत्र में निवाड़ी को छोड़कर लगभग सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि 14 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

उत्तराखंड में 26 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट, मसूरी मार्ग और केदारनाथ पैदल मार्ग प्रभावित

देहरादून,(ए.)। उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक मानसून के सक्रिय रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 22 से 26 जुलाई तक राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है। लगातार हो रही वर्षा के कारण मसूरी-देहरादून मार्ग पर भूस्खलन और केदारनाथ पैदल मार्ग पर मलबा आने से आवाजाही प्रभावित हुई है।मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्जन, आकाशीय बिजली और वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की भी चेतावनी जारी की गई है।

मणिपुर में संदिग्ध उग्रवादियों ने पीएमजीएसवाई का पुल उड़ाया, दूरसंचार विभाग का वाहन फूंका

इंफाल, (ए.)। मणिपुर के कामजोंग जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने बुधवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बने एक बेली पुल को विस्फोट कर उड़ा दिया। इस घटना से कई गांवों का जिला मुख्यालय से एकमात्र सड़क संपर्क टूट गया। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 9:30 बजे फांगे और चाट्रिक गांवों के बीच नंबान लोक नदी पर बने पुल पर हुई। प्रारंभिक जांच में पुल को उड़ाने के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के इस्तेमाल की आशंका जताई गई है। हमलावरों ने घटना के दौरान नदी किनारे खड़े दूरसंचार विभाग के एक वाहन में भी आग लगा दी, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। पुलिस का कहना है कि यह पुल चाट्रिक तथा आसपास के गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग था। अधिकारियों के अनुसार, हमले का उद्देश्य सार्वजनिक अवसंरचना को नुकसान पहुंचाना, परिवहन और संचार सेवाओं को बाधित करना, लोगों की आवाजाही रोकना तथा क्षेत्र में भय का माहौल पैदा करना था।पुलिस ने मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए सीएसडी थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे किसी भी उग्रवादी संगठन ने अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

K&K

राजधानी समाचार

गुरुवार 23 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना जागरूक नागरिक की पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विधानसभा में मिले आगर-मालवा और जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे विद्यार्थी देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। लोकतंत्र को समझना, उसके मूल्यों को आत्मसात करना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाना ही जागरूक नागरिक की पहचान है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सरकार कैसे काम करती है, नियम-कानून कैसे बनाये जाते हैं, संसदीय परम्पराएं क्या होती हैं, विधानसभा यह सब जानने-समझने का सबसे उत्तम विद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-1 में स्कूली बच्चों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री से विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही देखने आए आगर-मालवा जिले के विभिन्न अंचलों के 50 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों तथा स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल, जबलपुर के 40 विद्यार्थियों ने सौजन्य भेंट कीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनसे विधानसभा भ्रमण के अनुभव भी जाने। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बताया कि उन्हें पहली बार विधानसभा सत्र की सदन में चल रही कार्यवाही को निकट से देखने और संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला, जो उनके लिए अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायी अनुभव रहा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनशीलता और नवाचार की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि आगर-मालवा जिले के आगर से विधायक माधव सिंह (मधु गहलोत) तथा जबलपुर कैंट विधायकअशोक रोहाणी के मार्गदर्शन में भोपाल पहुंचे इन विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने हाथों से तैयार किए गए विभिन्न मॉडल एवं आकर्षक सीनरीज़ भी भेंट की।

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने 30 से अधिक संवर्गों में 1400 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को दी पदोन्नति

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य कृषि उपज विपणन (मंडी) बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए जुलाई माह खुशियों की सौगात लेकर आया है। मंडी बोर्ड द्वारा 30 से अधिक संवर्गों में 1400 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर पदोन्नति प्रदान की गई है। पदोन्नति आदेश जारी होने से मंडी बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों में उत्साह एवं हर्ष का वातावरण है। विभिन्न संवर्गों में प्रदान की गई पदोन्नति में मुख्य रूप से अपर संचालक के 02, संयुक्त संचालक के 03, उप संचालक के 06, सहायक संचालक के 03, सहायक यंत्री के 30, लेखापाल (ब) के 61, वरिष्ठ अंकेक्षक के 31, सचिव (अ) के 11, सचिव (ब) के 15, सचिव (स) के 107, मंडी निरीक्षक के 774, सहायक ग्रेड-2 के 46 पद तथा सहायक ग्रेड-3 के 18 पद शामिल हैं। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक-सह-आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की अनुशंसा के आधार पर विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। पदोन्नति की प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण कराने में संयुक्त संचालक श्रीमती सविता झानियां एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस लोकतांत्रिक विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल, अराजकता की राजनीति कर रही है : हेमंत खण्डेलवाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रदर्शन किया

भोपाल, (ए.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में बुधवार को पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के निकट किए गए धरना-प्रदर्शन के विरोध में राजधानी भोपाल के रेडक्रॉस अस्पताल से प्रदेश कांग्रेस कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। भारी बारिश के बीच आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस कार्यालय के समीप पुलिस ने बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक विपक्ष की रचनात्मक भूमिका निभाने के बजाय प्रायोजित अराजकता की राजनीति कर रही है। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करना और विदेशों में भारत की छवि को लेकर नकारात्मक बयान देना कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी की राजनीतिक कार्यशैली का हिस्सा बन गया है। खण्डेलवाल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीतिक हितों के लिए देश की उपलब्धियों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि जनता कई बार कांग्रेस को नकार चुकी है, लेकिन पार्टी अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस से यह स्पष्ट करने की मांग की कि विदेशी मंचों पर भारत, उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायपालिका को लेकर लगातार सवाल क्यों उठाए जाते हैं।प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन देश की छवि को नुकसान पहुंचाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करना उचित नहीं है। भाजपा लोकतंत्र, संविधान और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा कांग्रेस की राजनीति का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार युवाओं के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष छात्रों और युवाओं के मुद्दों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर विषय पर सार्थक चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष संवाद के बजाय टकराव की राजनीति को प्राथमिकता देता है।

रेल यात्रियों और मासूम बच्चों की सुरक्षा के प्रति जीआरपी की संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण

एक माह की परित्यक्त बच्ची को 11 दिन में परिजनों के सुपुर्द किया 48 घंटे में 8 माह की अपहृत बच्ची को सकुशल किया दस्तयाब

भोपाल (ए.)। देशभक्ति-जनसेवा के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस की शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दो अलग-अलग मामलों में अपनी संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई एवं उत्कृष्ट विवेचना का परिचय देते हुए दो मासूम बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। इन सफल कार्रवाइयों ने यह सिद्ध किया है कि जीआरपी केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ प्रत्येक जरूरतमंद की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। ऑपरेशन हमदर्द के तहत एक माह की परित्यक्त बच्ची को 11 दिन में परिजनों के सुपुर्द किया10 जुलाई को भोपाल रेलवे स्टेशन के ऑटो स्टैंड पर लगभग एक माह की लावारिस बच्चीमिलने की सूचना पर जीआरपी ने तत्काल बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया तथा शिशु गृह में सुरक्षित रखा। इसके बाद विशेष टीम गठित कर रेलवे स्टेशनों एवं शहर के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण, विभिन्न राज्यों तक सूचना का आदान-प्रदान, सोशल मीडिया एवं स्थानीय स्तर पर व्यापक तलाश अभियान चलाया गया। लगातार 11 दिनों के प्रयासों के बाद बच्ची के माता-पिता की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आर्थिक तंगी के कारण बच्ची को रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया गया था।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वॉर्ड बॉय की हड़ताल से बिगड़ी व्यवस्था, परिजन खुद धकेलते रहे व्हीलचेयर और स्ट्रेचर

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बुधवार सुबह वॉर्ड बॉय की अचानक हुई हड़ताल का सीधा असर मरीजों और उनके परिजनों पर पड़ा। एक महीने से वेतन नहीं मिलने के विरोध में कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाएं चरमरा गईं। मरीजों को वार्ड से ओपीडी और जांच केंद्र तक ले जाने के लिए परिजनों को खुद व्हीलचेयर और स्ट्रेचर संभालना पड़ा। कई जगह ऑक्सीजन सिलेंडर और बेड भी लिफ्ट के बाहर ही पड़े नजर आए। सुबह से अस्पताल में वॉर्ड बॉय नहीं होने के कारण मरीजों को एक वार्ड से दूसरे वार्ड तक पहुंचाने में भारी परेशानी हुई। परिजनों का कहना था कि मदद के लिए कोई कर्मचारी उपलब्ध नहीं था, जिसके चलते उन्हें मरीजों की देखभाल से लेकर उन्हें इधर-उधर ले जाने तक की पूरी जिम्मेदारी खुद निभानी पड़ी। मेडिसिन विभाग में भर्ती एक मरीज के परिजन ने बताया कि सुबह से एक भी वॉर्ड बॉय नहीं मिला। मरीज को जांच और अन्य विभागों में ले जाने सहित सभी काम उन्हें खुद करने पड़े। उनका कहना था कि अस्पताल जैसी जगह पर इस तरह की स्थिति से मरीजों और परिजनों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ी। इलाज के लिए अपनी मां को लेकर पहुंचे एक युवक ने बताया कि अस्पताल में कोई वॉर्ड बॉय नहीं मिलने के कारण वह खुद व्हीलचेयर चलाकर मां को ओपीडी तक ले गया। उसने कहा कि अस्पताल का रास्ता भी ठीक से नहीं पता था, जिससे मरीज को समय पर संबंधित विभाग तक पहुंचाने में कठिनाई हुई। हड़ताल के दौरान अस्पताल के डॉक्टर और इंटर्न भी मरीजों की मदद करते नजर आए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भारत औद्योगिक विकास योजना क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित

भोपाल (ए.)। भारत औद्योगिक विकास योजना में प्रस्तावित परियोजनाओं के मूल्यांकन, अनुशंसा तथा योजना के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। योजना वर्ष 2031-32 तक प्रभावशील रहेगी। योजना का उद्देश्य देश में निवेश के लिए तैयार एवं विश्वस्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना का विकास करना है, जिससे विनिर्माण क्षमता में वृद्धि एवं निवेश को प्रोत्साहन प्राप्त हों सके। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव जल संसाधन, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, ऊर्जा, पर्यावरण, वित्त, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, राजस्व,वाणिज्यिक कर, वन और उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग, भारत सरकार द्वारा नामांकित अधिकारी सदस्य होंगे।

खेल परिसर मप्र की प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का बनेगा प्रमुख केंद्र : मंत्री सारंग

भोपाल,(ए.) । मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में कॉम्पलेक्स में विकसित की जा रही खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री सारंग ने कहा कि यह खेल परिसर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।बैठक में मंत्री सारंग के निर्देशानुसार खेल परिसर में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए दो नए प्रवेश द्वार जोड़े जाने की जानकारी दी गई। पहले परिसर में तीन गेट थे, जिन्हें बढ़ाकर अब कुल पांच प्रवेश द्वार विकसित किए जा रहे हैं। इससे खिलाड़ियों, दर्शकों, अधिकारियों एवं आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि मंत्री सारंग के निर्देशानुसार पूरे खेल परिसर के चारों ओर सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। साथ ही हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए आधुनिक स्प्रिंकलर सिस्टम विकसित किया जा रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फायर सेफ्टी व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है।

"छात्रों की गूंज" अभियान के तहत नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने छात्रावास में छात्रों से संवाद किया

भोपाल,,(ए.) । मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बुधवार को भोपाल स्थित डॉ. अंबेडकर अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन छात्रावास में कांग्रेस के छात्रों की गूंज अभियान के तहत विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों की समस्याओं को सुनते हुए शिक्षा व्यवस्था, भर्ती प्रक्रिया, सरकारी छात्रावासों की स्थिति और निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। सिंघार ने कहा कि आज देश और प्रदेश का छात्र केवल बेरोजगारी से ही नहीं, बल्कि पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में देरी, शिक्षा के बढ़ते निजीकरण और बदहाल छात्रावासों जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल शिक्षा का नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य का सवाल है।नेता प्रतिपक्ष ने 20 जुलाई 2026 को दिल्ली में आयोजित छात्र आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और भर्ती सुधारों की मांग को लेकर संसद मार्च कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसमें 200 से अधिक छात्र घायल हुए। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए कहा कि छात्रों की आवाज़ को बलपूर्वक दबाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने छात्राओं के साथ पुलिस के व्यवहार की भी आलोचना की और कहा कि छात्रों के समर्थन में शांतिपूर्ण धरने पर बैठे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में लेना भी लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संभाग स्तर पर तैयार की गई कार्य योजना के अनुरूप कार्य करें : संभागायुक्त श्री शर्मा

भोपाल (ए.)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संभाग स्तर पर तैयार की गई कार्य योजना के अनुसार कार्य करे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में बुधवार को समय-सीमा बैठक ली। बैठक में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग हरिकृष्ण शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से महिला शिशु एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का संभाग के सभी जिलों में बेहतर क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त कार्य योजना तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विकास को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण, गैर संचारी रोग सिकल सेल एनीमिया, मानसून जनित बीमारियों, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया में कमी लाने के लिए संयुक्त कार्य योजना बनाकर कार्य करने एवं जिला स्तर पर मॉनीटरिंग एवं रिव्यू सिस्टम बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जमीनी स्तर पर अभियान चलाकर सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित करें। श्री शर्मा ने समय-सीमा बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के एसई सुनील कुमार चतुर्वेदी को विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन की प्रगति, एकल एवं समूह जल प्रदाय योजना की संचालित एवं निर्माणाधीन योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने एवं संभाग के सभी जिलों में हर घर नल योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं पेयजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण का मैकेनिज्म तैयार करने के भी निर्देश दिए। मानसून अवधि में शुद्ध पेयजल आपूर्ति एवं दूषित पेयजल से होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव संबंधी कार्यवाहियों को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को प्रदेशभर में मिल रहा जनसमर्थन

सातवें दिन स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों, औद्योगिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर लाखों नागरिकों तक पहुँचा नशामुक्ति का संदेश

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के सातवें दिवस मध्यप्रदेश पुलिस ने जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, औद्योगिक इकाइयों, धार्मिक स्थलों, हाट-बाजारों, बस स्टैंडों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। अभियान के अंतर्गत चित्रकला, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिताओं, नुक्कड़ नाटकों, मानव श्रृंखलाओं, जागरूकता रैलियों, जनसंवाद, शपथ ग्रहण, डिजिटल प्रचार तथा सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया।अभियान के सातवें दिन इंदौर कमिश्नरेट में एक साथ 03 जागरूकता रथ, 25 एलईडी स्क्रीन एवं 60 बड़े बिलबोर्ड के माध्यम से निरंतर नशामुक्ति संदेश प्रसारित किए गए। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पेंटिंग, स्लोगन , रंगोली, कविता, निबंध एवं ओपन माइक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न थाना क्षेत्रों, चौराहों , बस्तियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। सोशल मीडिया रील्स, पॉडकास्ट तथा मोहल्ला समितियों की बैठकों के माध्यम से अभियान को डिजिटल और सामुदायिक दोनों स्तरों पर प्रभावी बनाया गया। खंडवा जिले में पुलिस द्वारा 28 विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर में संयुक्त बाइक रैली निकालकर नागरिकों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। स्कूलों, छात्रावासों , महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों , बस स्टैंडों तथा ओंकारेश्वर सहित अनेक स्थानों पर जनसंवाद आयोजित हुए।खरगोन पुलिस ने विद्यालयों में प्रतियोगिताओं के साथ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ऑनलाइन नशामुक्ति शपथ दिलाई गई। डायल-112 वाहनों के माध्यम से ऑडियो जिंगल प्रसारित किए गए। नगर निगम की एलईडी स्क्रीन पर लगातार नशामुक्ति संदेश चलाए गए। व्यापारिक संगठनों, वाहन संघों, पत्रकारों , सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर समाज के प्रत्येक वर्ग को अभियान से जोड़ा गया।

प्रत्येक विधानसभा में खुलेगी कृषि यंत्र किराये की दुकान

छोटे किसान आसानी से कर सकेंगे आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों की सहूलियत के लिये प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक कृषि यंत्र किराये की दुकान अनिवार्य रूप से खोलने की तैयारी चल रही है। कृषक कल्याण वर्ष में जल्दी ही इस पहल के परिणाम मिलेंगे। छोटे और सीमांत किसानों को अपने खेत तैयार करने आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करना आसान हो जायेगा। वर्तमान में ऐसे 5260 केन्द्र संचालित है। अब हर साल 1060 कृषि यंत्र किराये की दुकानें स्थापित की जायेगी। मध्यप्रदेश अब तेजी से कृषि यंत्रों के निर्माण में आत्मनिर्भर हो रहा है। विदिशा जिले ने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर उच्च गुणवत्ता के कृषि यंत्रों का निर्माण करना शुरू कर दिया है। ग्रेडर, लेवलर, हाइड्रालिक ट्रॉली, कल्टीवेटर, प्लाउ जैसे उपकरण जिले में ही बनाये जा रहे है। यहां लगभग 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयाँ है। यहां बने कृषि यंत्रों की मांग अन्य राज्यों और विदेशों में भी हो रही है। मेडागास्कर, नाइजीरिया, सूडान, यूगांडा, घाना, अलजीरिया, ग्वाटेमाल, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश में यहां से निर्मित उपकरण भेजे जा रहे है। छोटे किसानों को न्यूनतम सेवा शुल्क पर अत्याधुनिक कृषि यंत्रों की सेवाएं मिल रही है। युवा उद्यमियों को भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उषा एग्रो के मानस गुप्ता बताते हैं किहम खेती में काम आने वाले यंत्र और उपकरण बनाते हैं, जैसे- लोडर, डिलोडर, कल्टीवेटर आदि। सभी उपकरण किसानों के लिए उपयोगी हैं। कब से ये काम शुरू किया? यह पूछने पर उन्होंने बताया किइस काम की शुरुआत पिताजी ने 1993 में की थी। शुरुआत छोटे पैमाने पर हुई, फिर धीरे-धीरे इसका विस्तार किया और अब तो हमारे उपकरण विदेशों में भी पहुंच रहे हैं।हमारे सबसे बड़े ग्राहक स्थानीय किसान हैं। हमारे उत्पादों का अधिकांश हिस्सा स्थानीय बाजार में ही खप जाता है, लेकिन हम देश के दूसरे राज्यों और विदेशों में भी सप्लाय करते हैं। आज हमारे बनाए यंत्र और उपकरण 10 से ज्यादा देशों तक पहुंच रहे हैं. इनमें नाइजीरिया, सूडान, केन्या, यूगांडा, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, घाना, अल्जीरिया, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। हमारा दो-तिहाई बिजनेस देश के अंदर होता है और एक-तिहाई कारोबार विदेशों में है। पूरे साल में करीब 4 करोड़ रुपये का कारोबार होता है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर प्रदर्शन करने पहुंचे दंपति हिरासत में, सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठे सवाल

इंदौर (ए.)। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इंदौर में नंदानगर स्थित निवास के बाहर बुधवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब एक दंपति उनके कथित बयान के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंच गया। पुलिस ने समझाइश के बाद भी प्रदर्शन समाप्त नहीं करने पर दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने पहुंचाया। घटना के बाद मंत्री निवास की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे।जानकारी के अनुसार, प्रहलाद पांडे और उनकी पत्नी संगीता पांडे हाथ में संविधान की प्रति लेकर मंत्री के निवास पहुंचे थे। उनका कहना था कि वे मंत्री के एक कथित बयान और दिल्ली में आंदोलनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने आए थे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छात्रों और आंदोलनकारियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, विजयवर्गीय इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं।

बिना अनुमति प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई

प्रदर्शन के दौरान प्रहलाद पांडे मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इसी बीच परदेशीपुरा थाना प्रभारी आर.डी. कानवा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दंपति को वहां से हटने के लिए कहा। पुलिस का कहना था कि मंत्री उस समय इंदौर में नहीं, बल्कि भोपाल में मौजूद थे तथा बिना पूर्व अनुमति किसी मंत्री के निवास के बाहर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा सकती। पुलिस के अनुसार, समझाइश के बावजूद दंपति प्रदर्शन पर अड़े रहे और सड़क पर बैठने से यातायात व कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इसके बाद दोनों को एहतियातन हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया। थाना प्रभारी आर.डी. कानवा ने बताया कि मामले में पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

दंपति का दावा-लोकतांत्रिक तरीके से दर्ज करा रहे थे विरोध

हिरासत में लिए जाने से पहले प्रहलाद और संगीता पांडे ने कहा कि वे मंत्री के कथित बयान पर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे थे। उनका कहना था कि शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और उनका प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

घटना के बाद मंत्री निवास की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए। बताया जा रहा है कि सुबह से संभावित प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित हो रहे थे और मंत्री के घर के बाहर पुलिस बल तथा बैरिकेडिंग भी तैनात थी। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी बिना किसी रोक-टोक के मंत्री के निवास तक पहुंच गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि पुलिस तब सक्रिय हुई, जब प्रदर्शन शुरू हो चुका था और मीडिया कवरेज के लिए मौके पर पहुंच गई थी। इस घटनाक्रम के बाद वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र की सतर्कता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

होमगार्ड विभाग में पदोन्नति समारोह एवं "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण सम्पन्न

इन्दौर(आरएनएस)। महानिदेशक होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मध्यप्रदेश के आदेशानुसार होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर पदोन्नति संबंधी औपचारिकताएँ संभागीय सेनानी (डिवीजनल कमांडेंट) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समारोह में पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवीन दायित्वों के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विभाग की गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से कार्य करने का संदेश दिया गया। प्लाटून कमांडर से कंपनी कमांडर 11, सहायक उप निरीक्षक (एम.) से उप निरीक्षक (एम.) 03, हवलदार (स्टोर) से सहायक उप निरीक्षक 01, आरक्षक वाहन चालक से मुख्य आरक्षक वाहन चालक 01, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से आरक्षक (तृतीय श्रेणी) 01, इस तरह कुल 17 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान की गई। सभी पदोन्नत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं सेवा भावना के साथ करने का संकल्प लिया।

निर्माणाधीन वेस्टर्न बाइपास का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दिए निर्देश गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और हर चरण में मानकों का कड़ाई से पालन करें

ग्वालियर (आरएनएस)। ग्वालियर के सुनियोजित विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ने जा रहा है वेस्टर्न बाइपास 28.80 किलोमीटर लंबाई में लगभग 750 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा है निर्माणवेस्टर्न बाइपास से शहर को रिंग रोड जैसी सुविधा मिलेगी और साडा क्षेत्र का होगा विकासग्वालियर जिले के सुनियोजित एवं दीर्घकालीन विकास को नई दिशा देने जा रही महत्वाकांक्षी वेस्टर्न बाइपास परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। लगभग 750 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस बाइपास का करीब 20 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्माणाधीन वेस्टर्न बाइपास का बुधवार को स्थल निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। साथ ही निर्माण एजेंसी को निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती चौहान ने परियोजना की प्रयोगशाला (लैब) का अवलोकन कर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परीक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन पुलों, रेलवे ओवर ब्रिज तथा वन क्षेत्र में बनाए जा रहे 10 से अधिक वन्यजीव पारगमन (एनिमल पासेज) का भी निरीक्षण किया।

सागर में जर्जर मकान का छप्पर गिरा, मलबे में दबी युवती को पिता ने सुरक्षित निकाला

सागर,(ए.)। मध्य प्रदेश जिले के कर्रापुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-12 (गोरा) में बुधवार तड़के एक जर्जर कच्चे मकान का छप्पर अचानक गिर गया। हादसे में कमरे में सो रही 21 वर्षीय युवती मलबे में दब गई। पिता और परिजनों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए युवती को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक-12 निवासी लाखन सिंह ठाकुर का परिवार मंगलवार रात अपने कच्चे मकान में सो रहा था। बुधवार तड़के अचानक मकान की छत और छप्पर भरभराकर गिर गया। हादसे के समय उनकी 21 वर्षीय बेटी कमरे में सो रही थी, जो मलबे के नीचे दब गई। युवती की चीख सुनकर लाखन सिंह और परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे।उन्होंने बिना देर किए मलबा हटाना शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में युवती के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के लिए उसे निकट के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, संबंधित मकान लंबे समय से जर्जर अवस्था में था।परिजनों का कहना है कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए कई बार नगर परिषद में आवेदन किया, लेकिन अब तक उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल सका।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

ग्राम मुंडलानायता में शासकीय भूमि एवं नाले से अतिक्रमण हटाया गया

इन्दौर(ए.)कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में तहसील जूनी के अंतर्गत ग्राम मुंडलानायता में शासकीय भूमि एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मुंडलानायता की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 28, रकबा 0.560 हेक्टेयर पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। उक्त कार्रवाई राजस्व विभाग, नगर निगम एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर टीन शेड, बाउंड्री वॉल तथा अन्य अवैध निर्माणों को हटाते हुए शासकीय भूमि एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराया। बताया गया कि शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक उपयोग की परिसंपत्तियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा इस प्रकार के मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी

स्कूल परिसर में जलभराव के बीच बच्चे करते हैं आवाजाही

अनूपपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में लगातार हो रही बारिश से दैखल ग्राम पंचायत के बंधवाटोला स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर पूरी तरह जलमग्न होने से बारिश का पानी स्कूल परिसर में जमा हो गया है। ज्ञात हो कि विद्यालय परिसर में समुचित नाली व्यवस्था न होने से ऐसी स्थिति निर्मित हुई हैं। जिससे बच्चों को गंदे और गहरे पानी के बीच से होकर कक्षाओं तक जाना पड़ रहा है, जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि हर साल बारिश के मौसम में स्कूल परिसर तालाब का रूप ले लेता है। अभिभावकों ने चिंता जताई है कि पानी जमा होने से बच्चों के फिसलने, संक्रामक बीमारियों, मच्छरों के पनपने और जहरीले जीवों के निकलने का गंभीर जोखिम बना हुआ है।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश केवट ने बताया कि यह समस्या पिछले चार वर्षों से बनी हुई है। इस संबंध में शिक्षा विभाग, जनपद और जिला पंचायत को पत्राचार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आसपास के खेतों का पानी स्कूल की तरफ मोड़ दिया गया है, जिससे तेज बारिश में पानी सीधे कमरों में प्रवेश कर जाता है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि वर्षों से नाली निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल परिसर में सुरक्षित माहौल और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

व्यापार समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में फिर बढ़ोतरी, 24 कैरेट गोल्ड 1.43 लाख के पार; खरीदने से पहले जान लें लेटेस्ट रेट

मुंबई (आरएनएस)। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमश: 1.43 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.23 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गया है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 883 रुपए या 0.61 प्रतिशत बढ़कर 1,43,137 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,42,254 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,305 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,31,113 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वहीं, 18 कैरेट सोने का दाम 1,06,691 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,07,353 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी तेजी देखी गई है।

चांदी का दाम 3,629 रुपए या 1.65 प्रतिशत बढ़कर 2,23,204 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,19,575 रुपए प्रति किलो था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,42,550 रुपए प्रति 10 ग्राम पर और चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,23,057 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,064 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 59 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों ने कहा कि इस तेजी के वजह अमेरिका-ईरान में तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग फिर से बढ़ना है। आने वाले समय में सोना 1,41,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकता है।

अब बिना इंटरनेट के भी धड़ाधड़ होगा यूपीआई पेमेंट, आ रहा है ये धांसू फीचर; जानकर खुशी से झूम उठेंगे आप

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम लोगों के लिए यूपीआई से जुड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब वह दिन दूर नहीं जब आप बिना इंटरनेट के भी अपना यूपीआई पेमेंट आसानी से कर सकेंगे। सामने आई एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल्द ही एक ऐसी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) सुविधा शुरू होने जा रही है, जिसकी मदद से ग्राहक मर्चेंट के पॉइंट-ऑफ-सेल (PoS) टर्मिनल पर तब भी पेमेंट कर पाएंगे, जब फोन या मशीन किसी भी डिवाइस में इंटरनेट काम न कर रहा हो।

बिना नेटवर्क वाले इलाकों में मिलेगा सबसे बड़ा फायदा

यह खास फीचर मुख्य रूप से उन जगहों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी या तो उपलब्ध नहीं होती या फिर बिल्कुल भरोसेमंद नहीं होती है। इसमें हवाई जहाज के केबिन से लेकर अंडरग्राउंड ट्रेन नेटवर्क और दूरदराज के इलाके शामिल हैं। इस नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को इंटरनेट कनेक्टिविटी होने पर पहले अपने डिवाइस के यूपीआई लाइट वॉलेट में पैसे लोड करने होंगे। इसके बाद जब वे ऑफलाइन होंगे, तो बिना किसी यूपीआई पिन के टर्मिनल पर टैप करके आसानी से उस बैलेंस का इस्तेमाल पेमेंट के लिए कर सकेंगे।

विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता घटाने की तैयारी, भारत तेज करेगा डीप वाटर पोर्ट परियोजनाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत प्रमुख बंदरगाहों के अपग्रेड और नए गहरे समुद्री टर्मिनलों के निर्माण में तेजी ला रहा है, ताकि वर्तमान में कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट यातायात को अपने यहां आकर्षित किया जा सके। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई।इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और कच्छ के दीनदयाल बंदरगाह सहित कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट (जल की गहराई) को 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर कर रही है, ताकि वे बड़े मदर वेसल (मुख्य मालवाहक जहाज) को संभाल सकें।

दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज (मदर वेसल) एमएससी इरिना के केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचने को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सरकारों ने भारत के प्रमुख बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित करने की अनदेखी की। ऐसे हब इसलिए जरूरी हैं क्योंकि यहां 14,000 से 24,000 टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता वाले मदर वेसल ठहर सकते हैं।रिपोर्ट में कहा गया, दशकों तक भारत के समुद्री व्यापार में एक विडंबना रही। 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी समुद्री

तटरेखा और दक्षिणी छोर से गुजरने वाले दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों के बावजूद भारत के पास ऐसे बंदरगाह नहीं थे, जहां मदर वेसल आ सकें।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा इस कमी को दूर करने का संकल्प जताने के एक वर्ष के भीतर ही 7 जुलाई को दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना के विझिंजम बंदरगाह पहुंची।वर्षों की इस अनदेखी को अब समस्या के आकार के अनुरूप बड़े पैमाने और तात्कालिकता के साथ दूर किया जा रहा है।

सरकार की मौजूदा योजना के तहत कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट गहराई बढ़ाई जा रही है, ताकि वे लगभग 2 लाख टन डेडवेट कार्गो ले जाने वाले केप-साइज ड्राई बल्क जहाजों को संभाल सकें।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र में विकसित किया जा रहा वधावन बंदरगाह लगभग 20 मीटर की प्राकृतिक गहराई और उच्च क्षमता के लक्ष्य के साथ तैयार किया जा रहा है। इसके पूरा होने पर यह दुनिया के शीर्ष 10 कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब में शामिल हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, निजी क्षेत्र में गुजरात का मुंद्रा बंदरगाह, जिसकी ड्राफ्ट गहराई 17.5 मीटर है, पहले ही इस क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। यह भारत का एकमात्र बंदरगाह है, जहां से 14,000 टीईयू से अधिक क्षमता वाले कंटेनर जहाज सीधे अमेरिका के लिए रवाना होते हैं, जिससे बीच के ट्रांसशिपमेंट हब की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

जीएसटी पर बड़ी खबर- सरकार जल्द ला सकती है ONE NATION-ONE GST REGISTRATION

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार देशभर में कारोबार करने वाली कंपनियों और उद्योगों के लिए जीएसटी व्यवस्था को और सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। सरकार 'वन नेशन-वन GST रजिस्ट्रेशन' (One Nation-One GST Registration) की संभावना पर गंभीरता से विचार कर रही है। इससे विभिन्न राज्यों में कारोबार करने वाली कंपनियों को अलग-अलग जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने की आवश्यकता कम हो सकती है।इस प्रस्ताव की व्यवहारिकता का आकलन करने के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने 11 सदस्यीय वर्किंग ग्रुप का गठन किया है। यह समिति अगले 30 दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। वर्किंग ग्रुप का मुख्य उद्देश्य यह जांचना है कि पूरे देश के लिए एकीकृत जीएसटी रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू करना कितना व्यावहारिक और प्रभावी होगा। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है तो कई राज्यों में व्यापार करने वाले उद्योगों और कॉरपोरेट कंपनियों को अनुपालन (Compliance) संबंधी प्रक्रियाओं में बड़ी राहत मिल सकती है। समिति एक ही PAN से जुड़े कई GSTIN (GST Identification Number) की मौजूदा व्यवस्था का भी अध्ययन करेगी। साथ ही, देशभर के विभिन्न टैक्स अधिकार क्षेत्रों (Ta& Jurisdictions) के केंद्रीकृत प्रशासन (Centralised Administration) की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। वर्किंग ग्रुप अपनी फिजिबिलिटी रिपोर्ट सरकार को सौंपने के बाद, रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को लागू करने या आगे बढ़ाने पर अंतिम निर्णय ले सकती है। माना जा रहा है कि यह कदम लागू होने पर कारोबारियों के लिए जीएसटी अनुपालन आसान होगा, प्रशासनिक बोझ कम होगा और व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business) को भी बढ़ावा मिलेगा।

एक्स यूजर्स की हो गई मौज, कंपनी ने लॉन्च किया बिल्कुल नया एंड्रॉयड ऐप, अब सुपरफास्ट स्पीड में दौड़ेगा अकाउंट

नई दिल्ली(ए.)। अगर आप भी अपने एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ङ्क (पहले ट्विटर) का इस्तेमाल करते हुए स्लो स्पीड, लिंक न खुलने और बार-बार हैंग होने जैसी समस्याओं से परेशान थे, तो आपके लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। सालों की शिकायतों के बाद आखिरकार कंपनी ने अपने एंड्रॉयड यूजर्स के लिए ङ्क ऐप का बिल्कुल नया और दमदार वर्जन रिलीज कर दिया है। इसे सिर्फ एक सामान्य अपडेट की तरह पेश नहीं किया गया है, बल्कि जड़ से दोबारा बनाया गया है ताकि आपको सुपरफास्ट स्पीड, शानदार नोटिफिकेशन अलर्ट और मक्खन जैसी स्मूथ स्क्रॉलिंग का बेहतरीन अनुभव मिल सके। यह नया ऐप गूगल प्ले स्टोर (Google Play Store) पर दुनिया भर के यूजर्स के लिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो चुका है।

जड़ से खत्म की गई पुरानी समस्याएं

कंपनी के मुताबिक, इस नए एंड्रॉयड ऐप को धीरे-धीरे अपडेट करने के बजाय एकदम बेसिक स्तर (शुरू से) से डेवलप किया गया है। ङ्क का कहना है कि इसके नए आर्किटेक्चर को तैयार करने का मुख्य मकसद लंबे समय से चली आ रही परफॉर्मेंस की समस्याओं को हमेशा के लिए खत्म करना है। पिछले साल एंड्रॉयड यूजर्स को ऐप चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था, जिनमें स्लो लोडिंग और शेयर्ड लिंक से पोस्ट लोड न होने जैसी कमियां शामिल थीं। अब नए डिजाइन के साथ भविष्य में नए फीचर्स को जोड़ना भी काफी आसान हो जाएगा।

आईफोन (iOS) को सीधे टक्कर देने की तैयारी

एंड्रॉयड ऐप को पूरी तरह से बदलने की यह शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब X प्रबंधन ने खुद यह स्वीकार किया था कि उनका एंड्रॉयड वर्जन आईफोन (iOS) वर्जन की तुलना में काफी पीछे रह गया है। इस भारी अंतर को मिटाने के लिए कंपनी ने एक खास 'डेडिकेटेड एंड्रॉयड इंजीनियरिंग टीम' का गठन किया था। X के प्रोडक्ट हेड निकिता बियर ने इसे कंपनी के सबसे बड़े इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में से एक बताया है।

उन्होंने दावा किया है कि इस नए ऐप में यूजर्स को बेहद स्मूथ नेविगेशन, झटके से पेज लोड होने की स्पीड और पहले से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा। भले ही ङ्क का यह नया और तेज ऐप लॉन्च हो गया है, लेकिन कंपनी का कहना है कि इसे और ज्यादा परफेक्ट बनाने का काम अभी भी जारी है। कंपनी की योजना पुराने और कम रैम वाले एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स पर भी इसकी परफॉर्मेंस को सुधारने और इसके लोकप्रिय लाइव ऑडियो फीचर 'स्पेसेस' (Spaces) के लिए बेहतरीन सपोर्ट जोड़ने की है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

लाठी और आंसू गैस

'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से असली सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से मोहभंग का कारण बन सकते हैं।

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के लिए जवाबदेही की मांग करने राजधानी आए छात्र-नौजवानों का बड़ा हिस्सा यह देखकर भौंचक था कि जो पुलिस उनके लिए है, वही उन पर बेरहमी से लाठी क्यों चला रही है? उनकी बात सुनने के बजाय उन पर आंसू गैस के गोले क्यों दागे जा रहे हैं? किशोर वय छात्र-छात्राएं इस सवाल में उलझे नजर आए कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने से उन्हें क्यों रोका जा रहा है? इतना सब कुछ हो चुकने के बावजूद किसी को जवाबदेह क्यों नहीं बनाया गया है? उन्हें यह देखकर भी हैरत हुई कि जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने उनकी बात और उन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाने की कोशिश की, तो मिनट भर के अंदर सदन को ही स्थगित कर दिया गया।

इससे सवाल उठा कि संसद छात्र-नौजवान या जन समुदाय के किसी अन्य हिस्से को चिंताओं को व्यक्त और उन पर विचार-विमर्श का मंच अगर नहीं रह गई है, तो फिर पाठ्यपुस्तकों के जरिए प्रातिनिधिक लोकतंत्र के पढ़ाए गए तमाम गुण क्या महज किताबी हैं? अलग-अलग राज्यों के छोटे-बड़े शहरों में दिल्ली की घटनाओं के खिलाफ हुए स्वत:स्फूर्त विरोध प्रदर्शनों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये सवाल दूर-दराज तक पहुंच गए हैं। 'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से ये सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से गहरे मोहभंग का कारण बन सकते हैं।

इसलिए सत्ता पक्ष को जन असंतोष से निपटने के पुराने तौर-तरीकों से बाहर निकलना चाहिए। दिल्ली में युवाओं की जैसी अप्रत्याशित भीड़ उमड़ी, वह संकेत है कि वो तौर-तरीके अब तेजी से असर खो रहे हैं। इसलिए असल सवालों से आंख मिलाने की जरूरत है। शिक्षा, अर्थव्यवस्था, एवं सामाजिक माहौल की परत-दर-परत दरकती ईंटों ने वो हालत पैदा की है, जिसमें छात्र-नौजवानों के सामने अवसरहीनता की विकट स्थिति खड़ी हुई है और उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगा है। उसी से उपजी हताशा का प्रतीकात्मक विस्फोट दिल्ली की सड़कों पर हुआ- इसे समझने की जरूरत है।

वंदे मातरम विधेयक 2026 -राष्ट्रीय सम्मान या अनिवार्य देशभक्ति? -संसद में घमासान ज़ारी, विपक्ष का विरोध और संविधान पर छिड़ी बड़ी बहस

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जुलाई 2026 का मानसून सत्र केवल राजनीतिक टकराव के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों की संवैधानिक स्थिति को लेकर शुरू हुई एक नई बहस के कारण भी लंबे समय तक याद किया जा सकता है। 20 जुलाई 2026 को जब यह विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया,उसी समय विपक्ष ने इसके विरोध में तीखी आपत्ति दर्ज कराई। विभिन्न विपक्षी दलों ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अन्य तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा की मांग की। सदन में लगातार हंगामा होता रहा और विधेयक पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ नहीं हो सकी। 21 जुलाई 2026 तक की संसदीय स्थिति के अनुसार यह विधेयक प्रस्तुत तो हो चुका था, किंतु उस पर विचार- विमर्श और आगे की विधायी प्रक्रिया गतिरोध के कारण आगे नहीं बढ़ सकी। अर्थात विधेयक अभी कानून नहीं बना है और उसे संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करना शेष है।केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 ने संसद से लेकर न्यायपालिका,संविधान विशेषज्ञों,राजनीतिक दलों, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक व्यापक चर्चा को जन्म दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रस्तावित संशोधन का मूल उद्देश्य राष्ट्रगीत वंदे मातरम को वही वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है जो अब तक राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन को प्राप्त है।यदि यह विधेयक वर्तमान स्वरूप में कानून बनता है तो किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करना, उसके गायन में बाधा डालना अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में उसका अनादर करना तीन वर्ष तक के कारावास जुर्माने या दोनों से दंडनीय अपराध बन सकता है। यहीं से वह संवैधानिक प्रश्न प्रारंभ होता है जिसने पूरे देश में चर्चा को जन्म दिया है,क्या यह राष्ट्रीय सम्मान को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है ?,या फिर यह देशभक्ति को कानून के माध्यम से अनिवार्य बनाने का प्रयास माना जाएगा?

साथियों, मीडिया में आई जानकारी के अनुसार सरकार का पक्ष अत्यंत स्पष्ट है। केंद्र का कहना है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के दौरान लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसी गीत को प्रेरणा का स्रोत बनाया। अनेक क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय वंदे मातरम का उद्घोष करते थे। संविधान सभा के अंतिम चरण में 24 जनवरी 1950 को तत्कालीन अध्यक्ष डॉ.

-सरकार-विपक्ष आमने-सामने - समग्र व्यापक विश्लेषण

राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि जन गण मन राष्ट्रगान होगा जबकि वंदे मातरम को समान सम्मान प्राप्त रहेगा। सरकार का तर्क है कि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को देखते हुए अब समय आ गया है कि इसे भी वैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जानबूझकर इसका अपमान न कर सके। सरकार यह भी कह रही है कि यह संशोधन किसी व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए नहीं, बल्कि सटीकता से राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिए लाया गया है।साथियों, यह विधेयक वास्तव में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन का प्रस्ताव है। वर्तमान अधिनियम मुख्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान को दंडनीय बनाता है। प्रस्तावित संशोधन के बाद पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। इसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है, किसी सार्वजनिक समारोह में उसे रोकने का प्रयास करता है या उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधि करता है, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि यह संशोधन केवल जानबूझकर किए गए अपमान पर लागू होगा, यह सटीकता से सामान्य परिस्थितियों अथवा व्यक्तिगत विवेक पर नहीं। साथियों, लेकिन यही वह बिंदु है जहां से संवैधानिक विवाद प्रारंभ होता है। विपक्ष का कहना है कि संविधान सभा ने जानबूझकर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बीच कानूनी अंतर बनाए रखा था। यदि संविधान निर्माताओं की मंशा दोनों को समान कानूनी दर्जा देने की होती तो संविधान में उसी समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया जाता। विपक्षी दलों, विशेषकर सीपीआई (एम), का आरोप है कि सरकार संविधान सभा की मूल भावना को बदलने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार देशभक्ति एक भावनात्मक और नैतिक मूल्य है, जिसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि यदि किसी नागरिक के व्यक्तिगत या धार्मिक विश्वास के कारण वह राष्ट्रगीत नहीं गाना चाहता, तो उसे अपराधी नहीं बनाया जा सकता।

साथियों, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। पत्र में कहा गया कि संविधान सभा ने बहुत सोच-समझकर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की अलग- अलग संवैधानिक स्थिति निर्धारित की थी। पत्र में यह भी कहा गया कि भारत का संविधान नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। ऐसे में किसी गीत को कानून के माध्यम से अनिवार्य सम्मान दिलाने का प्रयास भविष्य में संवैधानिक विवादों को जन्म दे सकता है। विपक्ष का तर्क है कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय अनिवार्यता के बीच सटीकता से संतुलन बनाए रखना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भ है। वंदे मातरम मूलत: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है। गीत के प्रारंभिक दो अंतरे व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं, जबकि बाद के अंशों में मां दुर्गा सहित कुछ धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख मिलता है। इतिहास में कई मुस्लिम संगठनों तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों ने इन्हीं धार्मिक संदर्भों के आधार पर इसके पूर्ण गायन पर आपत्ति व्यक्त की थी। संविधान सभा ने भी इन ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए केवल प्रारंभिक अंशों को सार्वजनिक उपयोग के लिए स्वीकार किया था। आलोचकों का कहना है कि यदि इस विधेयक के बाद किसी नागरिक की धार्मिक मान्यता और कानून के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तो न्यायपालिका को अत्यंत जटिल संवैधानिक प्रश्नों का सटीकता से सामना करना पड़ सकता है। साथियों, इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 1986 का ऐतिहासिक निर्णय बिजोए इमैनुएल बनाम केरल राज्य बार-बार चर्चा में आ रहा है। इस मामले में यहोवा विटनेस समुदाय के तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था, हालांकि वे सम्मानपूर्वक खड़े रहे। विद्यालय ने उन्हें निष्कासित कर दिया,लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि किसी नागरिक को उसकी अंतरात्मा के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

सोनम वांगचुक और गणतंत्र की नैतिक परीक्षा

सतीश झा

सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।

लोकतंत्र जब नागरिक से उसकी जान माँगने लगे

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विफलता तब नहीं होती, जब सरकार कोई गलत फैसला ले। सरकारें गलतियाँ करती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर भी होता है। असली विफलता तब होती है, जब किसी नागरिक को अपनी बात सुनाने के लिए अपने शरीर को ही आख़िरी तर्क बनाना पड़े। किसी भी गणतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए कि सत्ता किसी नागरिक की बात तब सुने, जब डॉक्टर चेतावनी दे चुके हों, अदालत हस्तक्षेप कर चुकी हो और उसका शरीर जवाब देने लगा हो। राज्य के भीतर कहीं न कहीं ऐसा दरवाज़ा अवश्य होना चाहिए, जहाँ किसी नागरिक की गंभीर और सार्वजनिक महत्व की शिकायत इसलिए सुनी जाए कि वह न्यायसंगत है, इसलिए नहीं कि वह मरने के कगार पर पहुँच गया है।

18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इक्कीस दिन के उपवास ने उनके शरीर को बुरी तरह तोड़ दिया था। उन्होंने 28 जून को आमरण अनशन शुरू किया था। उनका संघर्ष किसी व्यक्तिगत लाभ के

लिए नहीं था। वे उन लाखों युवाओं के पक्ष में खड़े थे, जिनका विश्वास प्रश्नपत्र लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की अव्यवस्था ने तोड़ दिया। दिल्ली हाईकोर्ट को भी उनके स्वास्थ्य की निगरानी का निर्देश देना पड़ा। एक ऐसा प्रश्न, जिसका उत्तर लोकतांत्रिक संवाद से दिया जाना चाहिए था, धीरे-धीरे एक नागरिक की शारीरिक सहनशक्ति और राज्य की संवेदनशीलता की परीक्षा बन गया।पहली नज़र में यह विवाद केवल प्रश्नपत्र लीक का दिखाई देता है। परीक्षा रद्द हुई, अनियमितताओं के आरोप लगे, जवाबदेही की माँग उठी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की आवाज़ पहुँची। यह सब गंभीर है, क्योंकि प्रश्नपत्र लीक केवल परीक्षा में धांधली नहीं है। यह उस भरोसे की हत्या है, जिसके सहारे करोड़ों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। राज्य उनसे वादा करता है कि मेहनत और योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा। प्रश्नपत्र लीक उसी वादे का विश्वासघात है।

लेकिन यदि हम यहीं रुक जाएँ, तो सबसे बड़ा प्रश्न छूट जाएगा।

मान लीजिए भारत की हर परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष हो जाए। कहीं कोई प्रश्नपत्र लीक न हो, कोई नकल न हो, कोई भ्रष्टाचार न हो। क्या तब हमारी शिक्षा व्यवस्था सफल मानी जाएगी?

उत्तर शायद फिर भी 'नहीं' होगा।

क्योंकि परीक्षा और शिक्षा एक ही चीज़ नहीं हैं।

परीक्षा चुनती है, शिक्षा बनाती है। परीक्षा यह तय करती है कि सौ उम्मीदवारों में एक कौन आगे जाएगा। शिक्षा का दायित्व यह है कि सौ में सौ अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। भारत ने इन दोनों के बीच का अंतर धीरे-धीरे भुला दिया है। हमने शिक्षा को प्रतियोगी परीक्षा का पर्याय बना दिया है। हर समस्या का समाधान हमें परीक्षा सुधार में दिखाई देता है—सुरक्षा बढ़ाइए, कैमरे लगाइए, डिजिटल निगरानी कीजिए, प्रश्नपत्र और सुरक्षित कर दीजिए। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं।

असल प्रश्न यह है कि बाकी निन्यानवे युवाओं का क्या होगा? आज अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएँ ज्ञान का उत्सव नहीं, अवसरों की कमी का प्रबंधन बन गई हैं। जब एक सीट के लिए हजारों उम्मीदवार खड़े हों, तो परीक्षा योग्यता जितनी नहीं, दुर्लभ अवसरों की चौकीदारी उतनी करती है। वह कुछ लोगों को सफलता का प्रमाणपत्र देती है और बाकी लाखों को असफलता का बोझ। फिर व्यवस्था बड़ी सहजता से कह देती है कि दूसरा उम्मीदवार अधिक योग्य था। बहुत कम लोग यह पूछते हैं कि सौ योग्य युवाओं के लिए अवसर केवल एक ही क्यों था।

धीरे-धीरे व्यवस्था की विफलता व्यक्ति की विफलता में बदल दी जाती है। असफल छात्र से कहा जाता है कि वह और मेहनत करे, बेहतर कोचिंग ले, एक बार फिर प्रयास करे। लेकिन राज्य से यह नहीं पूछा जाता कि उसने पर्याप्त अवसर क्यों नहीं बनाए। शिक्षा का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सक्षम बनाना है; प्रतियोगी परीक्षा का उद्देश्य उनमें से कुछ को अलग कर देना। यही दोनों के बीच का सबसे बुनियादी अंतर है।यहीं से सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।सोनम वांगचुक ने अपनी यात्रा विरोध से नहीं, निर्माण से शुरू की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद उन्होंने 1988 में लद्दाख में SECMOL की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें लगा कि वहाँ के बच्चे प्रतिभा के अभाव में नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था के कारण असफल घोषित किए जा रहे हैं, जो उनकी भाषा, उनके भूगोल और उनके जीवन से बिल्कुल अनजान है। बाद में उन्होंने जल संरक्षण, निष्क्रिय सौर ऊर्जा, टिकाऊ निर्माण और आइस स्तूप जैसी तकनीकों पर काम किया। उनका तरीका हमेशा एक जैसा रहा—पहले समस्या को समझो, फिर उसका समाधान विकसित करो और अंत में स्वयं उसकी जिम्मेदारी उठाओ। इसी काम ने उन्हें 2018 का रैमन मैग्सेसे पुरस्कार दिलाया।

कोयंबटूर मॉडल – जंगल, इंसान और भविष्य के बीच संतुलन की तलाश

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब जंगल अपनी खामोशी खोने लगें, तो समझना चाहिए कि प्रकृति और विकास का संतुलन बिगड़ चुका है। भारत आज इसी संकट से जूझ रहा है। सिमटते जंगल, बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और विकास परियोजनाएँ वन्यजीवों के पारंपरिक मार्ग बाधित कर रही हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है। तमिलनाडु इसका बड़ा उदाहरण है, जहाँ 2015 से जुलाई 2025 तक वन्यजीवों के हमलों में 685 लोगों की मृत्यु हुई, जिनमें 522 हाथियों के हमलों से हुई। कोयंबटूर, नीलगिरि और पश्चिमी घाट इस संघर्ष के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। समाधान की दिशा में डब्ल्यूआईआई और सलीम अली सेंटर फ़ॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नैचुरल हिस्ट्री (साकॉन) के सहयोग से कोयंबटूर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन ह्यूमन-वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है। अब देखना है कि यह पहल संघर्ष घटाएगी या अन्य योजनाओं की तरह सरकारी अभिलेखों तक सिमट जाएगी। यह संकट केवल आँकड़ों का नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों का है जिनके लिए हर रात भय लेकर आती है। हाथी फसलें उजाड़ते हैं, तेंदुए पालतू पशुओं का शिकार करते हैं और जंगली सूअर किसानों की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। भय अब जंगलों से निकलकर ग्रामीण जीवन का हिस्सा बन चुका है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुँचना और महिलाओं का शाम बाद घर से निकलना प्रभावित है। कोयंबटूर मानव-हाथी संघर्ष का सबसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक आवासों का विनाश, अनियंत्रित विकास, वन गलियारों का टूटना और एल-नीनो से बढ़ा सूखा वन्यजीवों को बस्तियों की ओर धकेल रहा है। यहीं से उस संघर्ष की शुरुआत होती है, जिसकी कीमत अंतत: मनुष्य और वन्यजीव—दोनों चुकाते हैं।

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। मशीनरी आदि से जुड़े कारोबार कर रहे लोग आज लाभदायक स्थिति में रहेंगे।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

आगे कुँआ, पीछे मोदी

शंकर शरण

बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं — संघ-परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए। एक अर्थ में यह संघ-परिवार का ही तर्क है। तेईस साल पहले, 2003 में इसे 'टीना' (TINA) कहा गया था — देयर इज नो अल्टरनेटिव — यानी, भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए, ऐ देशवासियो, भाजपा को समर्थन दो! क्योंकि और किसे दोगे? कांग्रेस नेता को तो बोलना भी नहीं आता, कागज देख-देख पढ़ती है। बल्कि, जब तक यह बेचारी कांग्रेस की नेता है — तब तक भाजपा को चिन्ता की भी जरूरत नहीं! कौन 'इंडिया शाइनिंग' कर देने वाली भाजपा के बदले उस अटपटी कांग्रेस नेता को समर्थन देगा!उक्त दलील 2004 के आरंभ तक इतनी दुहराई जाती रही थी, कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उस वर्ष चुनाव से पहले कहा चुनाव में क्या होना है; कोई कांप्टीशन ही नहीं है! तब से भाजपा नेता काफी बदल गये हैं। कुछ मामलों में अधिक होशियार, कुछ मामलों में और माशाअल्लाह। अगला चुनाव जीतने वाली सब तकनीकी कमियाँ इन्होंने दूर कर ली हैं, जिन पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था। जिस में मुख्य यह कि मैच जीतने का सब से सुरक्षित तरीका है कि सामने कोई टीम ही न हो। यानी, सामने टीम न बनने दो! प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में किसी को लुभा कर, किसी को डरा कर, किसी को फँसा कर, उस टीम से दूर रखो जो चुनौती दे सकती हो। अपनी टीम में भी कैप्टन बनने योग्य खिलाड़ियों को बाहर कर दो। बस, घुमा-फिरा कर वह वातावरण बनाना: जिसे 'टीना' कह लीजिए — कि भई और है कौन जिसे समर्थन दोगे!

दूसरी ओर, माशाअल्लाह यह कि दस वर्ष पहले संघ-भाजपाइयों द्वारा जो ऊँची-ऊँची उपलब्धि की बात कही जाती थी, अब उन में किसी का नाम तक नहीं लिया जाता। भ्रष्टाचार-मुक्ति, स्वदेशी आर्थिकी, दुनिया में प्रभाव, चीन को झुकाना, और — एक आकस्मिक नया लक्ष्य: 'कांग्रेस मुक्त भारत' और 'माँ-बेटे को जेल पहुँचाना' — यह सब अब भक्त भी नहीं दुहराते।

पूरे देश ने देखा कि चीन कहाँ है, और अपने राम क्या हैं। बगल बंगलादेश में हिन्दुओं का कत्ल, अपमान, मंदिर-ध्वंस होता रहा है — और अपने राजा के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। जबकि कांग्रेस राज में बंगलादेश के हिन्दुओं के लिए संघ-परिवार यहाँ सरकार से दर्जन भर माँगे करता था। उस में संयुक्त राष्ट्र में मुद्दा उठाना भी था!

यह उदाहरण है कि सारी बातें हवाबाजी थी। इसीलिए उन के कार्यकर्ता भी अब चुप हैं। सब जान चुके कि इन तिलों में तेल नहीं। कुछ विषयों में स्थिति पहले से बदतर हुई है। शिक्षा क्षेत्र इस का खुला उदाहरण है। विशिष्ट संस्थानों की स्वायत्तता भी छिन गई है। विद्या, विद्यार्थी, अध्यापक, स्नातक, सर्टिफिकेट या अवार्ड की गुणवत्ता का जिम्मेदार कोई नहीं है। महत्वपूर्ण अकादमियों में भी विद्वानों के स्थान पर मुंशी बिठा दिये गये हैं। ताकि अपनी टीम की जयकार करने, जुमले दोहराने वालों की संख्या बढ़े। बस। शिक्षा का जो हो, कुर्सी अपने हाथ रहे। यह फाउल खेलने जैसा है। पर उस से क्या, कैसे भी केवल चुनावी कप जीतते रहना है!

यह दूरघातक स्थिति है, जो अनेक संघ-भाजपाई भी मानते हैं। पर कहते है: क्या करें? यह मानसिक बदहाली इतनी व्यापक है कि किसी नीति, घोषणा, चुप्पी, बेढब स्थिति, आदि की आलोचना पर केवल यही कहते हैं: 'भाजपा के हारने से आप को क्या मिलेगा?' चाहे अगले चुनाव में चार साल बाकी हो — पर उन के पास चुनाव छोड़ कोई विचार नहीं रह गया है। बारहों महीने उन्हें यही चिन्ता है। सो, अकेला लेखक भी यदि आलोचना करे तो वह चुनाव में हराने के लिए कर रहा है! अन्य कारण हो नहीं सकता।

किसी को नीति सुधार या नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं सूझती कि वह भी विचारणीय हो सकती है। जबकि वह लोकतंत्र में सब से सहज विचार है। ब्रिटेन में 2016 से 2022 के छ: वर्षों में एक ही सत्ताधारी दल के चार प्रधानमंत्रियों ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया, सिर्फ यह देखकर कि उन की कोई नीति विफल रही या उन की लोकप्रियता कम हो गई। उन्हें पद छोड़ने की विवशता न थी! किन्तु उन्होंने अपने दल के अन्य नेता के लिए स्वयं स्थान छोड़ दिया। यह सच्ची समानता, साथीपन की भावना है। दलीय और राष्ट्रीय हित का सामंजस्य भी।भारत में वह अकल्पनीय है! यहाँ शासक दूसरों को अपने से नीचा समझता है। आजीवन पद पर रहना अपना प्रथम अधिकार मानता है।

चाहे देश का कुछ भी मत या हाल हो। यह दलीय ढाँचा भी मात्र दिखावा होने का संकेत है। मुख्य बात केवल जैसे-तैसे गद्दी पर रहने, या गद्दी लेने की है। देश की चिन्ता कहीं पीछे या बिलकुल नहीं।

एक अर्थ में भयावह हाल है कि नेताओं के पास अपने किसी काम, निकम्मेपन, मनमानी, संसाधनों की बर्बादी, नीतिगत पलटी मारने, और चुप्पी के लिए दिखावटी दलील भी न हो! जिस का जगजाहिर सबूत वर्तमान शासकों द्वारा मीडिया का सामना न करना है। न अपने दल में किसी मतभेद स्वर का। ऐसे दलीय सहकर्मी भी किनारे कर दिये गये हैं।

इस असाधारण दुर्बलता को छिपाने के लिए वे अनर्गल भाषणों का रेला देते रहते हैं, जहाँ कोई प्रश्नकर्ता न हो। केवल एकतरफा घटाटोप शब्दवर्षा। ताकि छिप जाए कि उन के पास अपने चित्र-विचित्र कर्मों-अकर्मों के बचाव में कहने को कुछ नहीं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 23 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

भ्रष्टाचार के दोषियों को मिले फांसी' राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

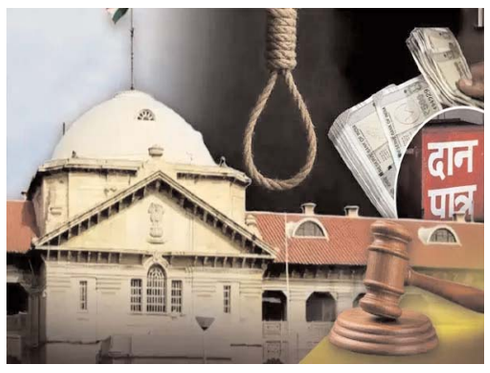

प्रयागराज ,(आरएनएस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर बेहद तल्ख टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार अब हमारे समाज में एक सामान्य बात बन चुकी है। राम मंदिर के लिए आए दान में हुई चोरी का मामला भी लोगों को शर्मिंदा नहीं कर पाया, जो समाज में ईमानदारी के सबसे निचले स्तर को दिखाता है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि अगर सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना चाहती है, तो उसे भ्रष्टाचार निरोधक कानून में संशोधन कर गंभीर मामलों में मृत्युदंड की सजा का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थनंद की खंडपीठ हमीरपुर के कैफुद्दीन सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बुलडोजर कार्रवाई से संरक्षण की मांग की गई थी। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि नगर निगम और अन्य प्राधिकरणों के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण खड़े किए जाते हैं। अफसर रिश्वत लेकर अपनी आंखें बंद कर लेते हैं, लेकिन जब कार्रवाई की नौबत आती है तो उसका सबसे बड़ा खामियाजा आम खरीदार को भुगतना पड़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण कराने वाले बिल्डरों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को भी कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि भ्रष्टाचार के चलते अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार गहरी हो रही है, जो भविष्य में गंभीर सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। अपने 51 पन्नों के फैसले में जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि राम मंदिर में दान चोरी का विवाद 'ऊंट की पीठ पर आखिरी तिनका' साबित हुआ है।

दिल्ली मेट्रो ने 16 स्टेशनों को बंद किया; राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट पर इंटरचेंज की सुविधा जारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुरक्षा कारणों से बुधवार को दिल्ली मेट्रो के 16 स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया। हालांकि, राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि अगले आदेश तक लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरियट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। इससे पहले रविवार को भी सुरक्षा कारणों से जनपथ, राजीव चौक, पटेल चौक, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद किया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद राजीव चौक और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा बहाल कर दी गई थी और उनके गेट भी खोल दिए गए थे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने संसद तक 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के मार्च के दौरान हुई हिंसा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं के सिलसिले में अब तक 10 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं के संबंध में ये मामले दर्ज किए गए हैं और जांच जारी है।पुलिस ने बताया कि सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़े मामलों में संसद मार्ग थाने में चार एफआईआर, कनॉट प्लेस (सीपी) थाने में तीन एफआईआर तथा मंदिर मार्ग, बाराखंभा रोड और कर्तव्य पथ थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें एक मामला नई दिल्ली के हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र में संसद सत्र के दौरान बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने से संबंधित है।

दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया, कुछ सेवाएं अब तुरंत मिलेंगी : CM रेखा गुप्ता

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबार से जुड़े लोगों को सरकारी सेवाएं पहले से ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज-फेज I के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम पूरा होने तक कितना समय लगता है और उस समय को कैसे कम किया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अध्ययन में 18 विभागों को शामिल किया गया और सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 95 प्रमुख सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक और व्यवसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन के बाद काम करने की प्रक्रियाओं में कई जरूरी सुधार किए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 84 सेवाओं में आवेदन के निपटारे का समय कम कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कुछ सेवाएं अब तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार करना और आसान बनाना, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल करना है।

देश के कई राज्यों में बाढ़-बारिश से भयंकर तबाही, 50 से ज्यादा मौतें, जानें कहां कैसे हैं हालात

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के कई राज्यों में इस वक्त मानसूनी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचा रखी है। असम से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर तक कुदरत का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। लगातार हो रही भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। नदियां उफान पर हैं, घर मलबे में तब्दील हो गए हैं और अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें लगातार राहत-बचाव के काम में जुटी हुई हैं, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं।

असम में जलप्रलय, 31 की मौत और लाखों बेघर

असम में बाढ़ से हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 21 लोगों की जान चली गई, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 31 तक पहुंच गया है। राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख से अधिक लोग इस भयंकर बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे बुरा हाल शिवसागर जिले का है, जहां अकेले 3.59 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट में भी स्थिति गंभीर है। ब्रह्मपुत्र, दिखो, देसांग और धनसिरी समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके चलते रेलवे ट्रैक डूब गए हैं और कई ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा करेंगे।

हिमाचल में फटा बादल, कई मकान मलबे में दबे

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरसी है। कांगड़ा जिले की बोह घाटी में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के चलते कई मकान, गौशालाएं और खेत मलबे में दब गए। गनीमत यह रही कि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाल लिया गया, जिससे कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, हालांकि कई मवेशियों की जान चली गई। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए रेड अलर्ट के बाद कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। किन्नौर में भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-5 समेत प्रदेश की 36 सड़कें और कई पेयजल योजनाएं ठप पड़ गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में 23 मौतें, सभी प्रमुख तीर्थ यात्राएं निलंबित

जम्मू-कश्मीर में आसमानी आफत का कहर लगातार जारी है। पुंछ, राजौरी और डोडा जिलों में रविवार से अब तक बारिश और भूस्खलन से जुड़ी घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सात लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। खराब मौसम और खतरे को देखते हुए प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। एहतियात के तौर पर अमरनाथ यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोरी और मचैल माता यात्रा को लगातार तीसरे दिन भी निलंबित रखा गया है।

पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी हाहाकार

असम के अलावा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी बारिश और भूस्खलन ने भारी नुकसान पहुंचाया है। नगालैंड के मोन जिले में भूस्खलन की चपेट में आने से मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है और चार लोग अब भी लापता हैं। यहां के 10 जिलों के 93 गांव बाढ़ और बारिश की चपेट में आ चुके हैं। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से पांच जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे इस मानसून सीजन में राज्य के करीब 1.49 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

(रायपुर) राज्यपाल लोकभवन में राज्यपाल रमन डेका से प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने की सौजन्य मुलाकात।

नीट को हमेशा के लिए खत्म करो, थलपति विजय की पार्टी ने कर दी बड़ी मांग

चेन्नई ,,(आरएनएस)। नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी छात्रों के समर्थन में खुलकर मैदान में आ गए हैं। तमिल सिनेमा के 'थलपति' और अब सूबे के मुखिया विजय की पार्टी तमिझगा वेत्री कज़गम (TVK) ने नीट परीक्षा को लेकर एक ऐसी मांग कर दी है, जिसने सियासी पारे को और भी ज्यादा चढ़ा दिया है। TVK ने दो टूक कहा है कि नीट में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि इस पूरी प्रवेश परीक्षा को ही हमेशा के लिए जड़ से खत्म कर देना चाहिए। छात्रों के भविष्य और राज्यों के अधिकारों का हवाला देते हुए TVK ने संविधान में बड़े बदलाव की वकालत की है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची (Concurrent List) से हटाकर राज्य सूची में ट्रांसफर कर दिया जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी सुझाया है कि अगर ऐसा करने में कोई कानूनी अड़चन आती है, तो अंतरिम उपाय के तौर पर एक 'विशेष समवर्ती सूची' बनाई जाए। इससे राज्य सरकारों को मेडिकल एजुकेशन पर पूरा अधिकार मिल सकेगा।

शख्स ने पत्नी और 2 मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट, फिर खुद भी लगाई फांसी; सुसाइड नोट में खुला राज

मैसूरु,(आरएनएस)। कर्नाटक के मैसूरु से एक बेहद खौफनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने गहरी साजिश रचते हुए पहले अपनी ही पत्नी और दो मासूम बच्चों की बेरहमी से जान ले ली, और फिर खुद भी फंदे पर झूलकर खौफनाक अंत चुन लिया। एक ही झटके में पूरे हंसते-खेलते परिवार के खत्म होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस को मौके से एक हैरान करने वाला सुसाइड नोट भी मिला है, जिसने इस पूरे हत्याकांड को और भी रहस्यमयी बना दिया है। इस सुसाइड नोट में प्रॉपर्टी के कागजात और तिजोरी की चाबियों को लेकर किए गए खुलासे ने पुलिस को जांच के नए एंगल पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

3 दिन पहले मां को घर से भेजा, फिर रची मौत की स्क्रिप्ट

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 39 वर्षीय हरीश के रूप में हुई है। उसने अपनी 37 साल की पत्नी निश्चिता, 8 साल की बेटी रक्षा और 4 साल के बेटे नक्शा को मौत की नींद सुला दिया। यह वारदात हुंसूर शहर के न्यू मारुति लेआउट की है। शुरुआती तफ्तीश में यह बात साफ हो गई है कि हरीश ने इस वारदात को अचानक अंजाम नहीं दिया, बल्कि इसकी पूरी प्लानिंग की थी। साजिश के तहत ही उसने तीन दिन पहले अपनी मां को दादी के घर भेज दिया था ताकि वह घर पर अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या कर सके। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में हरीश ने खुद लिखा था कि उसका शव ऊपर के कमरे में फंदे से लटकता मिलेगा।

दिल्ली में मचने वाला है बवाल? गृह मंत्रालय के आदेश पर रातों-रात बंगाल से एयरलिफ्ट किए गए 2000 जवान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में लगातार भड़क रहे विरोध-प्रदर्शनों और संसद के मानसून सत्र के बीच एक बड़ी हलचल मच गई है। दिल्ली में किसी भी संभावित खतरे को टालने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए केंद्र सरकार ने रातों-रात एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय के सीधे आदेश पर पश्चिम बंगाल से भारी-भरकम सुरक्षाबलों को तुरंत दिल्ली बुलाया जा रहा है। हिंसक झड़पों की आशंका और बिगड़ते हालात को देखते हुए अचानक लिए गए इस फैसले ने राजधानी में सरगर्मी काफी तेज कर दी है।

हवाई जहाज से दिल्ली पहुंच रहे CRPF के 2000 जवान

नीट (NEET) पेपर लीक मामले, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के लगातार हो रहे उग्र विरोध-प्रदर्शनों ने दिल्ली पुलिस की नींद उड़ा दी है। हाल ही में कई जगहों पर हुई हिंसक झड़पों के बाद गृह मंत्रालय (MHA) एक्शन मोड में आ गया है। मंगलवार रात दिए गए एक आपातकालीन आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल से सीआरपीएफ (CRPF) की 20 अतिरिक्त टुकड़ियों को हवाई जहाज के जरिए सीधे दिल्ली एयरलिफ्ट किया जा रहा है। सीआरपीएफ की एक कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं, जिसका सीधा मतलब है कि 2000 जवानों की भारी फौज राजधानी की सड़कों पर उतर रही है।

दिल्ली बनी छावनी, पहले से तैनात हैं RAF की 30 कंपनियां

दिल्ली में 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी चल रहा है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव पहले से ही काफी ज्यादा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, राजनीतिक दलों के प्रदर्शनों को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस की मदद के लिए पहले ही CRPF और उसकी विशेष दंगा-रोधी इकाई 'रैपिड एक्शन फोर्स' (RAF) की करीब 30 कंपनियां तैनात कर रखी हैं। अब पश्चिम बंगाल से आ रही इन नई 20 कंपनियों को मिलाकर सुरक्षा तंत्र को अभेद्य बनाया जा रहा है।

गौरतलब है कि ये कंपनियां कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के लिए भेजी गई थीं और वहां की राज्य सरकार के अनुरोध पर रुकी हुई थीं, जिन्हें अब फौरन दिल्ली मोर्चे पर बुला लिया गया है।

चेस्ट' और 'ब्रेस्ट' में फर्क बेमानी, हाई कोर्ट ने पास्को एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न पर सुनाया अहम फैसला

कोच्चि (आरएनएस)। बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों (पॉक्सो) को लेकर केरल हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के मामलों में 'चेस्ट' (छाती) और 'ब्रेस्ट' (स्तन) के बीच का अंतर पूरी तरह से निराधार और बेमानी है। अगर कोई व्यक्ति यौन मंशा के साथ किसी बच्चे की छाती को पकड़ता या छूता है, तो उसे कानूनी तौर पर यौन उत्पीड़न ही माना जाएगा। यह सख्त और स्पष्ट टिप्पणी 12 साल के एक लड़के के यौन उत्पीड़न मामले की सुनवाई के दौरान आई है, जिसने कानूनी शब्दों की आड़ में बचने की कोशिश कर रहे आरोपियों को एक कड़ा संदेश दिया है।

आरोपी की बेतुकी दलील- 'सिर्फ छाती छूना अपराध नहीं'

इस मामले में अभियोजन पक्ष (सरकार) का आरोप था कि आरोपी ने गलत (यौन) नीयत से बच्चे को पीछे से पकड़ा था। इसके बचाव में आरोपी ने अदालत में अजीबोगरीब दलील दी कि किसी बच्चे की 'छाती' (चेस्ट) को महज छूना या पकड़ना पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में नहीं आता। उसका तर्क था कि केवल यौन मंशा से 'ब्रेस्ट' को छूने पर ही यह अपराध बनता है। इस पर अदालत ने दोनों शब्दों के अर्थ और अंतर को गहराई से परखा। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में स्पष्ट किया कि भले ही मेडिकल और शारीरिक संरचना के आधार पर इन दोनों शब्दों के अलग-अलग मायने होते हों, लेकिन यौन उत्पीड़न के मामलों में 'चेस्ट' का इस्तेमाल आमतौर पर 'ब्रेस्ट' के पर्यायवाची के रूप में ही किया जाता है। इसलिए, ऐसी हरकत को हर हाल में यौन हमला ही माना जाएगा।12 साल के बच्चे से जुड़ा है मामला, अदालत ने सजा में किया बदलाव

जस्टिस ए. बदरुद्दीन की पीठ ने कोझिकोड के 12 वर्षीय बच्चे के साथ हुए इस यौन उत्पीड़न मामले में सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

चलती ट्रेन से लटके चोर को यात्री ने लात मारकर नीचे गिराया, पुलिस ने पीड़ित पर ही मामला दर्ज किया

रायपुर(आरएनएस)। रायपुर से गुज़रने वाली आजाद हिंद एक्सप्रेस में एक खौफनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक यात्री का पर्स चुराने की कोशिश करना एक चोर को काफी महंगा पड़ गया। चोरी पकड़े जाने के बाद भागने की कोशिश में चोर चलती ट्रेन के पायदान से लटक गया, जिसके बाद पीड़ित यात्री ने कथित तौर पर उसे लात मारकर नीचे गिरा दिया। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में कानून हाथ में लेने के आरोप में पीड़ित यात्री के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया गया है एक रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरी घटना 14 जुलाई की दोपहर करीब 3:40 बजे की है, जब ट्रेन रायपुर जिले के मंधार और उरकुरा रेलवे स्टेशनों के बीच से गुजर रही थी। रायपुर गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (GRP) के एसएचओ बीके राठौर ने बताया कि राउरकेला के रहने वाले 54 वर्षीय केआर सुरेश कुमार कोच बी-4 की बर्थ नंबर 5 पर सफर कर रहे थे। इसी दौरान उनका पर्स गायब हो गया। बर्थ नंबर 7 पर मौजूद एक सह-यात्री ने उन्हें बताया कि एक शख्स ने उनका पर्स चुरा लिया है। इसके बाद जब सुरेश कुमार ने संदिग्ध का पीछा किया, तो कोच अटेंडेंट की मदद से आरोपी को धर दबोचा गया।

ट्रेन यात्रियों के लिए बड़ी खबर, रेलवे खत्म कर रहा 300 स्टॉपेज; अब 45 मिनट पहले पहुचेंगी प्रीमियम ट्रेनें

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रेलवे लंबी दूरी और प्रीमियम ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत देशभर में प्रायोगिक आधार पर दिए गए 300 से अधिक स्टॉपेज को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का खाका तैयार कर लिया गया है। रेलवे की यह नई व्यवस्था अक्टूबर 2026 तक पूरी तरह लागू हो जाएगी, जिससे यात्रियों के सफर का 15 से 45 मिनट तक का बहुमूल्य समय बचेगा।रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, साल 2021 से 2025 के बीच स्थानीय सांसदों, विधायकों और क्षेत्रीय जनता की मांग पर सैकड़ों स्टेशनों पर छह महीने के प्रायोगिक आधार पर ट्रेनों के ठहराव मंजूर किए गए थे। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे कस्बों के यात्रियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ देना था। नियम के मुताबिक मियाद पूरी होने के बाद इन स्टॉपेज की व्यावसायिक उपयोगिता की समीक्षा की गई। रेलवे बोर्ड के इंटीग्रेटेड कोचिंग मैनेजमेंट सिस्टम (आईसीएमएस) के आंकड़ों में यह बात सामने आई कि ये स्टॉपेज 'न्यूनतम 15 टिकट प्रति ट्रेन प्रतिदिन' के पैमाने पर पूरी तरह फेल साबित हुए। कम यात्रियों के बावजूद ट्रेनों को रोकने से न केवल करोड़ों रुपये का ईंधन बर्बाद हो रहा था, बल्कि मुख्य मार्गों पर ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ) की रिपोर्ट के अनुसार, 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही किसी प्रीमियम ट्रेन को एक स्टेशन पर रोकने और दोबारा उसी गति में लाने में 5 से 7 मिनट का समय बर्बाद होता है। अधिकारी ने बताया कि एक गैर-जरूरी स्टॉपेज हटने से ट्रेन सीधे तौर पर 5 से 7 मिनट की बचत करेगी। जिन रूटों पर ऐसे 3 से 4 ठहराव हटाए जा रहे हैं, वहां यात्रा का समय 15 से 45 मिनट तक कम हो जाएगा।

ट्रंप का नया टैरिफ ऐलान : जेनेरिक दवाओं पर 200% शुल्क की चेतावनी, भारत को फिलहाल 2 साल की राहत

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। कनाडा पर 50% टैरिफ की घोषणा के बाद अब उन्होंने अमेरिका में आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200त्न तक टैरिफ लगाने की योजना पेश की है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि अगले दो वर्षों तक इन दवाओं पर 0% टैरिफ लागू रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर बताया कि 1 अगस्त से अगले दो वर्षों तक जेनेरिक दवाओं पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। इसके बाद तीसरे वर्ष 100% और फिर 200% तक टैरिफ लागू किया जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका में वापस लाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित नहीं करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जाएगी।

भारत को दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली हर पांच जेनेरिक दवाओं में से एक भारत में बनती है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की जेनेरिक दवाएं निर्यात कीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात 25.8 अरब डॉलर का लगभग 38% है।भारत हर साल अमेरिका को 10 अरब डॉलर से अधिक की जेनेरिक दवाएं निर्यात करता है। ऐसे में ट्रंप के नए ऐलान से तत्काल कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि अगले दो वर्षों तक भारतीय दवा कंपनियां बिना अतिरिक्त टैरिफ के निर्यात जारी रख सकेंगी।विशेषज्ञों का मानना है कि दो वर्षों की यह छूट भारतीय दवा कंपनियों को भविष्य की रणनीति तैयार करने का अवसर देगी। इस दौरान वे अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने, स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी बढ़ाने और संभावित ऊंचे टैरिफ के प्रभाव को कम करने की दिशा में कदम उठा सकती हैं।अमेरिकी फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (FD) के अनुसार, अमेरिका में बिकने वाली 90% से अधिक दवाएं जेनेरिक हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह नई नीति केवल जेनेरिक दवाओं पर लागू होगी, जबकि पेटेंट, ब्रांडेड और इनोवेटिव दवाओं की मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

ट्रंप प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की पहल

वाशिंगटन (आरएनएस)। पाकिस्तान में जन्मे एक आदमी पर अमेरिकी इमिग्रेशन का लाभ पाने के लिए कई पहचान इस्तेमाल करने का आरोप है। वह उन 10 नागरिकता वाले नागरिकों में से एक है जिन्हें नागरिकता रद्द करने का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप सरकार इसे अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा नागरिकता रद्द करने की कोशिश करार दे रही है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और न्याय विभाग (डीओजे) ने पिछले 30 दिनों में कई ऐसे मामलों में नागरिकता रद्द करने (डीनेचुरलाइजेशन) की कार्रवाई शुरू की है, जिनमें आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण, स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी, आव्रजन धोखाधड़ी और कोकीन तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं।ट्रंप सरकार का कहना है कि इन मामलों में उन लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर, गलत जानकारी देकर या अवैध तरीके से अमेरिकी नागरिकता हासिल की।सरकार ने जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें 65 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक मुर्तजा अली भी शामिल हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में बारिश का कहरः 8 की मौत और 14 घायल, कई इलाके जलमग्न

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान में बारिश कई इलाकों पर कहर बन कर टूटी है। खासकर पंजाब प्रांत गुजरांवाला, नारोवाल, पाकपत्तन और लाहौर शहरों में भारी बरसात ने तबाही मचा दी है। अलग-अलग हादसों में करीब 8 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुजरांवाला शहर में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे शामिल हैं, जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। वहीं, गुजरात में जीटी रोड बाईपास पर बारिश के कारण फिसलने के बाद एक ट्रेलर खाई में गिर गया।

राहत एवं बचाव अधिकारियों ने बताया कि इन घटनाओं में मौत का कारण मकान की छत और दीवार गिरने से लगी चोट, तालाब में डूबने या फिर करंट लगना रहा।पाकपत्तन में बारिश के दौरान एक मकान की छत गिरने से दो नाबालिग बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां घायल हो गईं। वहीं, लाहौर के गुलशन-ए-रावी इलाके में एक फैक्ट्री की छत गिरने से चार मजदूर घायल हो गए।गुजरात और गुजरांवाला शहरों में करीब 10 घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद मुख्य सड़कें और आसपास के इलाके पानी में डूब गए। बारिश के कारण व्यावसायिक गतिविधियां और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। डॉन के मुताबिक, गुजरांवाला शहर पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहां भारी बारिश के साथ-साथ एमिनाबाद और गखड़ मंडी के बीच मेट्रो बस मार्ग निर्माण के लिए जीटी रोड पर चल रहे खुदाई कार्य ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर और अन्य जिलों में मूसलाधार बारिश तथा अचानक आई बाढ़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी।द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, खैबर, मर्दान और बाजौर में मौतों की सूचना मिली, जबकि अचानक आई बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं से मानसेहरा, एबटाबाद, चित्राल, शांगला और अन्य जिलों में सड़कें, पुल, मकान, दुकानें, मछली फार्म, बागान, फसलें और सार्वजनिक ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए। इससे यातायात व्यवस्था बाधित हुई। साथ ही बिजली तथा संचार सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

अमेरिका बातचीत को तैयार ईरान गंभीर नहीं, फिलहाल उसकी हालत काफी खराब : रुबियो

मनीला ,(आरएनएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वो इसे लेकर गंभीर नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूएस-इजरायल हमले की वजह से ईरान काफी परेशानी में है। रूबियो ने यह बयान बुधवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान दिया। उन्होंने कहा, अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे बातचीत को लेकर गंभीर नहीं हैं। अगर वे संजीदा होंगे, तो हम भी होंगे। अगर नहीं, तो हम अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए जो आवश्यक होगा, वह करेंगे।

होर्मुज पर हुकूमत को लेकर भी रूबियो ने विचार रखे। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) ये व्यवहार कि होर्मुज पर हम ही काबिज रहेंगे गलत उदाहरण पेश करता है। उनकी सोच कि हमें टोल दो नहीं तो तुम्हारे जहाज को उड़ा देंगे बेहद खतरनाक है। हो सकता है कि भविष्य में दुनिया के अन्य इलाकों में ऐसी ही चीजों को दोहराया जाए, ये फ्री नेविगेशन के लिए जरूरी है।

विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक को किया तलब, यूक्रेन तट के पास कार्गो शिप हमले में 4 भारतीयों की मौत और एक की हालत गंभीर

यूक्रेन(आरएनएस)। यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हो रहे एक कमर्शियल जहाज पर हुए रूसी हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को रूसी चार्ज डी'अफेयर्स को तलब किया। इस हमले में घायल एक भारतीय नागरिक की हालत गंभीर है।विदेश मंत्रालय के अनुसार, 19 जुलाई की शाम को ओडेसा पोर्ट से निकलते समय जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हमला हुआ। घटना के समय जहाज पर 17 क्रू मेंबर थे। इनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे।हमले की निंदा करते हुए मंत्रालय ने कहा, मौजूदा जानकारी के अनुसार, चार भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हो गई है, जबकि एक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। यूक्रेन में हमारा मिशन स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और प्रभावित लोगों को हर मुमकिन मदद देने की पूरी कोशिश कर रहा है। हम मारे गए भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायल भारतीय नागरिक के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं।इसमें आगे कहा गया, भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है और दोहराता है कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना और बेगुनाह सिविलियन क्रू मेंबर्स को खतरे में डालना, या किसी और तरह से नेविगेशन और कॉमर्स की आजादी में रुकावट डालना, बहुत बुरा है और इससे बचना चाहिए।

रूस से जंग के बीच यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा एक्शन, आर्मी चीफ को पद से हटाया

कीव (आरएनएस),। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सेना के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की को पद से हटाकर उनकी जगह मिखाइलो ड्रापाती को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया है। यह फैसला कीव समेत देश के कई शहरों में पिछले कई दिनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच लिया गया।जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि सैन्य कमांडरों के साथ कई बैठकों के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—दुश्मन पर जीत हासिल करना और रूस पर ऐसा दबाव बनाना कि वह शांति की दिशा में आगे बढ़ने को मजबूर हो।राष्ट्रपति ने जनरल सिर्स्की के कार्यकाल की सराहना करते हुए कीव की रक्षा, खारकीव और कुर्स्क अभियानों में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की मजबूत मोर्चाबंदी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।नवनियुक्त सेना प्रमुख मिखाइलो ड्रापाती ने फेसबुक पर कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है और मौजूदा युद्ध के दौर में यह सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने सिर्स्की का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ सेना का नेतृत्व करेंगे।जेलेंस्की ने नए सैन्य नेतृत्व को रक्षा रणनीति में सुधार, सेना के आधुनिकीकरण, हथियारों और ड्रोन की तेज आपूर्ति, एयर डिफेंस को मजबूत करने तथा पारदर्शी और प्रभावी सैन्य भर्ती व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए हैं।पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शनकारी जनरल सिर्स्की को हटाने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप था कि वह सोवियत दौर की सैन्य कार्यशैली पर निर्भर हैं और सेना में जरूरी सुधारों की गति धीमी कर रहे हैं।

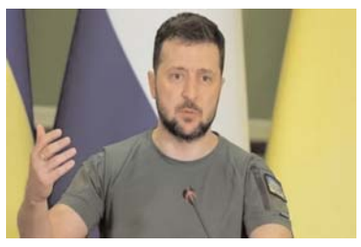

फीचर

अजय देवगन ने रोहित शेट्टी के साथ मनाया सिंघम के 15 पूरे होने का जश्न, शेयर किया आइकोनिक क्लिप

अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सिंघम को रिलीज हुए 15 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर अभिनेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से दोहराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ा क्लिप शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जुलाई का महीना वाकई हमारे लिए बहुत खास है। रोहित शेट्टी। सिंघम के 15 साल पूरे। ब्लॉकबस्टर भारतीय हिंदी एक्शन फिल्म सिंघम 2011 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था और इसमें अजय देवगन ने बाजीराव सिंघम की मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म साल 2010 में आई इसी नाम की तमिल फिल्म का रीमेक थी।

यह फिल्म ईमानदार, सिद्धांतवादी और निडर पुविस वाले बाजीराव सिंघर की होती है। उनका सामना जयकांत शिकरे (प्रकाश राज) नाम के एक भ्रष्ट राजनेता और अपराधी से होता है।

फिल्म में अजय देवगन के अलावा, काजल अग्रवाल, प्रकाश राज, सचिन खेडेकर और अशोक सराफ समेत कई मंझे हुए कलाकार नजर आए थे। फिल्म और इसके गानों को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। सिंघम फिल्म के कई डायलॉग बहुत प्रसिद्ध हैं, जैसे, आता माझी सटकली और ज्यांच्यात दम असतो... ते सिंघम असतात। इसके अलावा, अजय देवगन की पानी से बाहर निकलते हुए एंट्री वाला सीन भी बहुत आइकॉनिक माना जाता है।इस फिल्म की कहानी एक छोटे से गांव शिवागढ़ से शुरू होती है। बाजीराव सिंघम एक आदर्शवादी पुलिस वाले हैं, जो शांति और बातचीत से समस्याओं का समाधान करते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ जरूरत पड़ने पर सख्ती भी बरतते हैं। उनकी टक्कर गोवा के एक भ्रष्ट और खतरनाक राजनेता जयकांत शिकरे (प्रकाश राज) से होती है। इसके बाद वे गोवा ट्रांसफर हो जाते हैं और सिस्टम में रहकर भ्रष्ट नेताओं का पर्दाफाश करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जन नायकन का तूफान! पहला दिन 100 करोड़, शाहरुख की पठान से आगे और रजनीकांत की कुली से पीछे

तमिल अभिनेता से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन गुरुवार 23 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। पैन इंडिया फिल्म के तौर पर प्रदर्शित हो रही है यह फिल्म कई बार रिलीज टलने, लंबे कानूनी विवाद, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से जुड़े विवादों और फिल्म के कुछ हिस्सों के लीक होने जैसी घटनाओं के बाद अब दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। शुरुआत में यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसकी रिलीज टालनी पड़ी। चूंकि यह विजय के अभिनय करियर की अंतिम फिल्म मानी जा रही है, इसलिए इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। रिलीज से चार दिन पहले शुरू हुई अग्रिम टिकट बुकिंग ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिसके बाद फिल्म व्यापार से जुड़े कई विशेषज्ञ पहले दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक के वैश्विक कारोबार का अनुमान लगा रहे हैं। निर्देशक एच. विनोथ की इस फिल्म में विजय आखिरी बार मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म उनके अभिनय करियर का समापन मानी जा रही है और इसी कारण इसे लेकर प्रशंसकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

अग्रिम टिकट बुकिंग में शानदार प्रदर्शन

जन नायकन को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी रिलीज में से एक माना जा रहा है। फिल्म के लिए पूरे भारत में लगभग 8,000 शो निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 3,500 से अधिक शो केवल तमिलनाडु में होंगे। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार सुबह तक फिल्म ने पहले दिन की अग्रिम टिकट बुकिंग से लगभग 15 करोड़ रुपये का सकल कारोबार कर लिया था। यदि ब्लॉक की गई सीटों को भी इसमें शामिल कर लिया

जाए तो यह आंकड़ा 20 करोड़ रुपये से अधिक हो जाता है। पहले दिन के लिए अब तक लगभग 6.5 लाख टिकट बिक चुके हैं।

वैश्विक स्तर पर भी फिल्म की पहले सप्ताहांत की अग्रिम टिकट बुकिंग 30 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। हालांकि, यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि इस कारोबार का अधिकांश हिस्सा फिल्म के मूल तमिल संस्करण से आया है। तमिलनाडु के बाहर फिल्म को लेकर अपेक्षाकृत कम उत्साह दिखाई दे रहा है। खासकर उत्तर भारत के कई सिनेमाघरों में अग्रिम टिकट बुकिंग बेहद सीमित रही है। उत्तर भारत के सिनेमाघरों में कम रही अग्रिम टिकट बुकिंग के बावजूद मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों ने इसे अपने यहाँ किसी बड़ी बॉलीवुड फिल्म की तरह शो व स्क्रीन्स दिए हैं। हिन्दी के साथ-साथ उत्तर भारत की सभी मल्टीप्लेक्स चैन ने इसे इसके मूल संस्करण तमिल के लिए भी कई शोज आवंटित किए हैं। यह संख्या विजय की पहले प्रदर्शित हो चुकी फिल्मों, जिनमें उनकी ब्लॉकबस्टर रही फिल्म लियो भी शामिल है, से कहीं ज्यादा है। उत्तर भारत के सिनेमाघरों को उम्मीद है कि विजय की यह फिल्म हिन्दी भाषा में भी बेहतरीन कारोबार करने में सफल होगी।

बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कितनी होगी कमाई ?

रिलीज में अभी एक दिन का समय बाकी है और उम्मीद की जा रही है कि बुधवार को अग्रिम टिकट बुकिंग की रफ्तार और तेज होगी। फिलहाल जन नायकन विजय की सबसे बड़ी हिट फिल्म लियो से पीछे चल रही है, जिसने केवल अग्रिम टिकट बुकिंग से ही 46 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि जन नायकन विजय की पिछली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (GOAT) के 29 करोड़ रुपये के अग्रिम बुकिंग रिकॉर्ड तक पहुंच सकती है।फिल्म व्यापार विशेषज्ञों का अनुमान है कि जन नायकन भारत में पहले दिन लगभग 55 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर सकती है। कुछ विशेषज्ञ यह आंकड़ा 60 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना भी जता रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो फिल्म विजय की पिछली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के 44 करोड़ रुपये के पहले दिन के शुद्ध कारोबार को पीछे छोड़ देगी। हालांकि, यह विजय की ही फिल्म लियो के 65 करोड़ रुपये के शुरुआती रिकॉर्ड से पीछे रह सकती है।

संजू बाबा की दुल्हन बनने से पहले मान्यता दत्त फिल्मों में आजमा चुकी थीं किस्मत, गंगाजल से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता दत्त का जन्म 22 जुलाई 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है। उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं।मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म गंगाजल से मिली। इस फिल्म में उन्होंने अलहड़ मस्त जवानी गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम मान्यता मिला। हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले।इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने लवर्स लाइक अस नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था। यही फिल्म उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आई, क्योंकि इसी फिल्म के राइट्स खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। संजय दत्त और मान्यता दत्त ने 7 फरवरी 2008 को शादी कर ली। शादी के बाद मान्यता ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली और परिवार पर ध्यान देना शुरू किया। साल 2010 में दोनों जुड़वां बच्चों के माता-पिता बने। उनके बेटे का नाम शाहरान और बेटी का नाम इकरा है।

द इंडिया स्टोरी का एक और नया दमदार पोस्टर रिलीज़, कीटनाशक खेती की भयावह सच्चाई से उठाया पर्दा

मुंबई फिल्म द इंडिया स्टोरी के निर्माताओं ने फिल्म का एक नया और प्रभावशाली पोस्टर जारी किया है, जो देश के सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य मुद्दों में से एक कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल वाली खेती पर ध्यान केंद्रित करता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह नया पोस्टर फिल्म की दमदार कहानी की झलक देने के साथ-साथ कृषि में बढ़ते कीटनाशकों के इस्तेमाल से जुड़े उन खतरों को भी सामने लाता है, जो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को चुपचाप प्रभावित कर रहे हैं।नया पोस्टर बेहद प्रभावशाली विजुअल्स के साथ फिल्म के मूल संदेश को सामने रखता है। यह दर्शाता है कि हमारी थाली तक पहुंचने वाला भोजन किन छिपे हुए खतरों को अपने साथ ला सकता है। पोस्टर का गंभीर और सोचने पर मजबूर करने वाला अंदाज़ फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ाता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े इस कहानी के केंद्र में हैं, जो पीढ़ियों से जुड़ी एक अहम समस्या पर जागरूकता फैलाने का प्रयास करती है। फिल्म के संदेश पर बात करते हुए काजल अग्रवाल ने कहा, द इंडिया स्टोरी ऐसी फिल्म है, जो हर घर तक पहुंचने वाला एक महत्वपूर्ण संदेश देती है। इस प्रोजेक्ट ने मुझे इसलिए आकर्षित किया, क्योंकि यह एक ऐसे विषय को उठाने का साहस करता है, जो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित करता है, लेकिन अक्सर हमारी नजरों से ओझल रहता है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को अपने भोजन और उससे जुड़े विकल्पों के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित करेगी।

बारिश से बगीचा-बतौली मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों की समस्या, पीडब्ल्यूडी ने मरम्मत के दिए निर्देश

जशपुर,(आरएनएस)। बगीचा-बतौली मार्ग पर बारिश के दौरान कीचड़ और गड्ढों की वजह से ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर प्रकाशित खबर के बाद लोक निर्माण विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार बतौली-बगीचा मार्ग का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

लोक निर्माण विभाग जशपुर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अचानक हुई बारिश के कारण निर्माणाधीन सड़क के कुछ हिस्सों में कीचड़ और गड्ढों की समस्या उत्पन्न हुई है। विभाग ने खराब हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया है। विभाग के अनुसार, ठेकेदार द्वारा सड़क के खराब हिस्सों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, ताकि बारिश के दौरान राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े और सड़क की स्थिति में सुधार हो सके। लोक निर्माण विभाग ने बताया कि बतौली-चराईडांड मार्ग अंतर्गत आने वाले बतौली-बगीचा मार्ग का कार्य जारी है। विभाग की ओर से निर्माण कार्य की निगरानी की जा रही है और खराब हिस्सों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

कॉम्प्लेक्स के बाहर खून से लथपथ मिली युवक की लाश, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में एक मजदूर की हत्या से सनसनी फैल गई। कोतवाली थाना क्षेत्र में यातायात थाना के सामने स्थित एक कॉम्प्लेक्स के बाहर मजदूर का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान नेहरू नगर निवासी प्रकाश हरिजन के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने मजदूर के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि वारदात तड़के सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हुई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और मृतक का शव कॉम्प्लेक्स के बाहर पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके अलावा सिविल लाइन एसीपी, एफएसएल टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने डुंडा बोरिया स्थित देवी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत डुंडा बोरिया में स्थित देवी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन में किया गया.स्वच्छता व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी फैलाया जाना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का उल्लंघन करना पाया गया. प्राप्त जनशिकायत स्थल पर पूरी तरह सही मिलने पर निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा द्वारा देवी स्वीट्स and रेस्टोरेंट के सम्बंधित संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए स्वच्छता दीदियों की स्थल पर उपस्थिति में तत्काल 10 हजार रूपये का ई जुर्माना किया और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित निदान किया गया।

छत्तीसगढ़ में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी

रायपुर, (आरएनएस)। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर सहित कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश के साथ-साथ तेज आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने का खतरा बना रहेगा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, कोरबा, धमतरी, गरियाबंद, मुंगेली, बलौदाबाजार, बस्तर और बेमेतरा जिले में बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया गया है । राजधानी रायपुर में आज बुधवार सुबह से हल्की बारिश हो रही है। मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने और झारखंड व पश्चिम बंगाल के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण राज्य में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जताई है।मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान बिलासपुर संभाग के अधिकांश स्थानों में वर्षा हुई। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान अंबिकापुर में सर्वाधिक तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के मुताबिक बिलासपुर में पिछले 24 घंटों में 53.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि इस मानसून सीजन में शहर में अब तक 128.4 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।

रायपुर में अपराध पर पुलिस की कार्रवाई तेज, मारपीट-चोरी और अवैध हथियार के कई मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बीते दिनों मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, वाहन चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने विभिन्न मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं खम्हारडीह पुलिस ने नशीली गोलियों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि तेलीबांधा और सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अवैध चाकू और तलवार बरामद कर आरोपियों के खिलाफकार्रवाई की गई।

मारपीट और धमकी के मामले: खमतराई थाना क्षेत्र में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद में मारपीट और स्कूटी की हेडलाइट तोड़ने का मामला दर्ज हुआ। पुरानीबस्ती, कबीरनगर, टिकरापारा, आजाद चौक, मोवा और गंज थाना क्षेत्रों में भी अलग-अलग विवादों में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की शिकायतें दर्ज की गईं। टिकरापारा क्षेत्र में घरेलू विवाद को लेकर पति द्वारा महिला से मारपीट का मामला भी सामने आया।

वाहन और सामान चोरी: सिविल लाइन थाना क्षेत्र में टाउन हॉल के पास से एक्टिवा, गंज थाना क्षेत्र में केंद्रीय जेल परिसर से बजाज प्लेटिना और पुरानीबस्ती क्षेत्र में तिरंगा चौक से एक्टिवा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। डीडी नगर क्षेत्र में शराब दुकान के पास से हीरो स्प्लेंडर और आरंग में शराब दुकान के पास से मोटरसाइकिल चोरी का मामला भी दर्ज किया गया। मोवा थाना क्षेत्र में बालाजी मेडिकल कॉलेज परिसर से एसी के आउटडोर यूनिट में लगे करीब 10 हजार रुपये कीमत के कॉपर पाइप चोरी होने की शिकायत सामने आई। जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान सोने की चेन चोरी: खम्हारडीह थाना क्षेत्र में जगन्नाथ मंदिर के पास रथ यात्रा के दौरान एक महिला के गले से करीब 70 हजार रुपये कीमत की सोने की चेन चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है।

आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जिला प्रशासन की अपील, बारिश और गरज-चमक के दौरान बरतें विशेष सावधानी

जशपुरनगर, (आरएनएस)। वर्षा ऋतु के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में संभावित वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। नागरिकों से कहा गया है कि मौसम खराब होने, तेज गरज-चमक या बिजली कड़कने की स्थिति में लापरवाही न करें और तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, खेत, पहाड़ी क्षेत्र, नदी-तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास जाने से बचें। साथ ही पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि आकाशीय बिजली गिरने का खतरा अधिक रहता है। ऐसी स्थिति में किसी पक्के भवन या पूरी तरह बंद वाहन में शरण लेना सुरक्षित उपाय है। मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों का पालन करें तथा अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें।

कांग्रेस नकारात्मक राजनीति में कभी सफल नहीं होगी, जनता सच्चाई जानती है : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

स्मार्ट मीटर नई तकनीक का हिस्सा, बिजली व्यवस्था में आएगी पारदर्शिता : डिप्टी सीएम अरुण साव

रायपुर,(आरएनएस)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पारदर्शिता, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथ्यहीन आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। नीट परीक्षा, यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर जनता कांग्रेस के बहकावे में नहीं आएगी। प्रदेश की जनता सच्चाई को भली-भांति समझती है। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति कभी सफल नहीं होगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि नीट परीक्षा मामले में सरकार ने समय पर कार्रवाई कर दोबारा परीक्षा आयोजित कराई। इसके बावजूद कांग्रेस इस विषय को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने यूसीसी पर सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि यूसीसी को लेकर भी सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि आदिवासी समाज के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित समिति सभी वर्गों से सुझाव लेकर सरकार को अपना प्रारूप सौंपेगी।अरुण साव ने स्मार्ट मीटर को लेकर कहा कि स्मार्ट मीटर नई तकनीक का हिस्सा हैं, जिससे बिजली व्यवस्था में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्यों के लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है।

खेल समाचार

विश्व कप के रण में मध्यप्रदेश का गौरवः हॉकी इंडिया की विश्व कप टीम में हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन

15 अगस्त से बेल्जियम-नीदरलैंड में शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे विवेक सागर प्रसाद

भोपाल (आरएनएस) । मध्यप्रदेश के लिए एक बार फिर गर्व का अवसर आया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड-2026 के लिए घोषित भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। यह विश्व कप 15 से 30 अगस्त 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें भारतीय टीम विश्व विजेता बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। विवेक सागर प्रसाद का चयन न केवल उनकी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है, बल्कि यह मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों में उपलब्ध विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के समग्र विकास की प्रभावी व्यवस्था का भी प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके विवेक अब विश्व हॉकी के सबसे प्रतिष्ठित मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। भारतीय टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह उपस्थिति से टीम को मजबूती देंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम को अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलित मिश्रण बताते हुए विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया है।भारत को विश्व कप के पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के विरुद्ध करेगी, इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड तथा 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला खेलेगी। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी से जुड़े खिलाड़ी का विश्व कप टीम में चयन प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का विषय है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेल अकादमियां लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार कर रही हैं, जिसका परिणाम देश की विभिन्न राष्ट्रीय टीमों में प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी के रूप में सामने आ रहा है।

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस) । दाहिने घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल द हंड्रेड टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। इस उभरते हुए खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी का एक अहम मौका नहीं मिल सकेगा। इसी के साथ बेथेल के अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। बर्मिंघम फीनिक्स ने शुक्रवार को ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ ओपनिंग मैच के लिए बेथेल की जगह साउथ अफ्रीका के डोनोवन फरेरा को कप्तान चुना है। फ्रेंचाइजी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की फिटनेस पर भी नजर रख रही है, जो हाल ही में इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद टीम में शामिल हुए हैं। बेथेल भारत के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सोमवार सुबह एमआरआई स्कैन के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेथेल के फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत, जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

हरारे, (ए.)। लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी।श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें

युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती

हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं।

वॉर्नर ने कबूली सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात, अगली सुनवाई में कोर्ट सुनाएगा सजा

सिडनी (आरएनएस) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18 अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला 5 अप्रैल, ईस्टर रविवार का है, जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। वह एक जगह पर रुके, जो यादृच्छिक श्वास परीक्षण बिंदु से थोड़ी दूरी पर थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं, एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था।

विश्व कप फाइनल में हार के बाद मार्टिनेज भावुक, बोले- परिणाम हमारी पूरी यात्रा को परिभाषित नहीं करता

ब्यूनस आयर्स,(आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन के खिलाफ हार के बाद अर्जेंटीना के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फाइनल का परिणाम टीम की पूरी यात्रा को परिभाषित नहीं करता और पूरी टीम को अपने प्रदर्शन पर गर्व है। विश्व कप खिताब बचाने उतरी अर्जेंटीना की टीम को फाइनल में स्पेन के खिलाफ अतिरिक्त समय में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मार्टिनेज ने एक्स पर लिखा, हम सभी जिस ट्रॉफी के हकदार थे, उसे घर नहीं ला पाने का दर्द दिल में है, लेकिन इस जर्सी, अपने साथियों, कोचिंग स्टाफ, अधिकारियों, मेडिकल टीम, रसोइयों, किट स्टाफ और उन सभी लोगों पर मुझे बेहद गर्व है।

चाइना ओपन 2026: सिंधु और आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ,(ए.)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चाइना ओपन 2026 में विजयी शुरुआत करते हुए बुधवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (अंतिम-16) में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल में युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया।विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधु, जो हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीतकर आई हैं, ने उन्नति हुड्डा को 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम आसानी से अपने नाम किया।

अब अंतिम-16 में सिंधु का सामना मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से होगा, जिन्होंने पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा को हराया था।

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से मात देकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। यह जीत शेट्टी के लिए खास रही क्योंकि 2023 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्हें इसी खिलाड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।हालांकि युगल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को शीर्ष वरीय चीन के यान झे फेंग और डोंग पिंग हुआंग ने 21-9, 21-16 से हराया।एक अन्य मिश्रित युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को चीन के शिन वा गुओ और फांग हुई चेन ने 21-18, 21-18 से सीधे गेमों में पराजित किया।पुरुष युगल में एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुनन की जोड़ी भी चौथी वरीयता प्राप्त वेई केंग लियांग और चांग वांग के खिलाफ मुकाबला हारकर बाहर हो गई।उधर, भारत के शीर्ष वरीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन दिन में बाद में विश्व नंबर-19 जापान के युशी तनाका के खिलाफ अपने पहले दौर का मुकाबला खेलेंगे।

चेल्सी फुटबॉल क्लब से जुड़े इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स,7 साल का हुआ करार

लंदन (आरएनएस) । चेल्सी फुटबॉल क्लब ने इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स को एस्टन विला से साइन कर लिया है। प्रीमियर लीग क्लब ने कहा कि 23 साल के खिलाड़ी ने 2033 तक स्टैमफोर्ड ब्रिज में रहने के लिए सात साल की डील साइन की है। चेल्सी ने मिडफील्डर को कथित तौर पर 117 मिलियन पाउंड की डील पर साइन किया है, जिससे वह अब तक के सबसे महंगे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस गर्मी की शुरुआत में इलियट एंडरसन के 116 मिलियन पाउंड में मैनचेस्टर सिटी में शामिल होने का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लब द्वारा जारी एक बयान में रोजर्स ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरे लिए चेल्सी लंदन का सबसे बड़ा क्लब है और एक ऐसा क्लब है जिसकी मैं बचपन से तारीफ करता रहा हूं। मैं नए मैनेजर के साथ प्रोजेक्ट, हमारे पास मौजूद खिलाड़ियों और क्लब की दिशा को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इसी वजह से मैं यहां हूं, और क्लब की तरफ से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।आर्सेनल ने इस ट्रांसफर विंडो में मॉर्गन रोजर्स को अपनी पहली पसंद के फॉरवर्ड के रूप में देखा था। हालांकि, क्लब ने उतनी ट्रांसफर फीस देने से इनकार कर दिया, जितनी प्रीमियर लीग 2025-26 चैंपियन चेल्सी देने के लिए तैयार थी।

100 फीट लंबे तिरंगे के साथ नर्मदा तट पर गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

नर्मदापुर युवा मंडल के आयोजन में युवाओं और स्कूली बच्चों ने दिया राष्ट्रध्वज सम्मान का संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम की आन ए बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के अंगीकरण दिवस पर बुधवार को विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर नर्मदापुर युवा मंडल द्वारा भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 100 फीट लंबे तिरंगे को युवा और स्कूली बच्चों ने अपने हाथों में थामकर पूरे उत्साह और गर्व के साथ तिरंगे को नमन किया। देशभक्ति के नारों और भारत माता की जय के उद्घोष से सेठानी घाट राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया।

कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानए राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का संदेश दिया गया। कार्यक्रम से जुड़े नर्मदापुर युवा मंडल सदस्य मनीष परदेशी ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अंगीकरण दिवस को विशेष रूप से मनाने की यह अनूठी परंपरा पिछले 14 वर्षों से निरंतर निभाई जा रही है। इस वर्ष आयोजन का 15वां वर्ष रहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहींए बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों के गौरवए स्वाभिमानए एकता और बलिदान का प्रतीक है। युवा मंडल का

धूमधाम से मनाया तिरंगा अंगीकरण दिवस

उद्देश्य हर वर्ष इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना है। नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि आज के दौर में युवाओं और बच्चों को अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व से जोड़ना समय की आवश्यकता है। तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं में देशभक्तिए अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्यागए बलिदान और संघर्ष का प्रतीक है। राष्ट्रीय ध्वज के अंगीकरण दिवस पर इस प्रकार का आयोजन समाज विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। इस अवसर पर नर्मदापुर युवा मंडल के रुपेश राजपूत नंदकिशोर यादव दीपक हेमनानी अनिल दुबे केएन त्रिपाठी सुंदरम अग्रवाल हरि शर्मा श्रीराम सगर कमल चव्हाण राजेश रैकबार संतोष मीना पंकज साहू राजेश बड़कुर मोनू ठाकुर ऋषभ शुक्ला स्वाति गौर प्रीति साहू आशीष वर्मा हरीश मांझी हरि सेवरिया रामजीवन बकोरिया जसवीर सिंह सौरभ मेहरा दीपक केवट प्रवेश सोनी अखिलेश निगम समीर सवालाख राजू आसरे रोहित शर्मा तरुण देव सहित समेरिटेंस स्कूल के बच्चें और शिक्षक शहरवासी उपस्थित रहे।

लेख >>>>>

करोड़ों की निधि बर्बाद हो रही है जवाबदेही कौन लेगा?

+बी. ईश्वर कुमार' 'सीनियर जर्नलिस्ट एंड सोशल वर्कर'

केंद्र और राज्य सरकारों को संसद सदस्यों राज्यसभा सदस्यों विधायकों और विधान परिषद सदस्यों पर यह भरोसा है कि वे अपने.अपने क्षेत्र में जनहित के जरूरी काम कराएंगे और लोगों को असुविधा नहीं होने देंगे।

लेकिन हकीकत क्या है

कुछ जनप्रतिनिधि इस निधि का 100 फीसदी इस्तेमाल कर लेते हैं। वहीं कुछ लोग कुछ हिस्सा खर्च करके बाकी पैसा बेकार पड़ा रहने देते हैं। निधि लैप्स हो गई इसकी खबर जनता को बहुत देर बाद पता चलती है। अगर लोगों को पता हो कि उनके नेता के पास निधि हैए तो वे खुद जाकर अपना काम करवा सकते हैं। आज तकनीक बहुत आगे बढ़ गई है। फिर भी ये जरूरी जानकारी जनता को कौन बताएगा। अधिकारी नहीं बताएंगे नेता नहीं बताएंगे। तो फिर कैसे पता चले।

और सबसे बड़ी बात

निधि बर्बाद करने वाले नेता पर कोई कार्रवाई भी नहीं होती। क्या सरकार बताएगी कि आपके क्षेत्र की विकास निधि बिना इस्तेमाल किए लैप्स हो गई नहीं बताएगी। कुछ नेता तो अपनी निधि को क्षेत्र की जनसंख्या के हिसाब से बांटकर हाथ झाड़ लेते हैं।

'सरकार को क्या करना चाहिए'

सरकार को हर जिला कलेक्टर कार्यालय में एक 'इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड' लगाना चाहिए। उसमें हर विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र को मिली निधि उसमें से कितनी बची है और कब तक खर्च करनी है . ये सब सार्वजनिक होना चाहिए। इस डैशबोर्ड को विधायकों और सांसदों के कार्यालय से भी जोड़ना चाहिए। तब निधि बर्बाद नहीं होगी। लोग खुद सतर्क हो जाएंगे। करोड़ों रुपए आवंटित करके उसे सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं ये देखना भी सरकार की जिम्मेदारी है। पैसा जनता का है। हिसाब भी जनता को देना पड़ेगा।

भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा यानी वापसी की यात्रा 24 जुलाई को

नर्मदापुरम (निप्र)। भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा यानी वापसी की यात्रा 24 जुलाई को होगी। इस दिन भगवान प्रात: 10 बजे गुंडीचा भवन स्वयंवरम गार्डन से अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाडा के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा का मार्ग चक्कर रोड विश्वकर्मा मंदिर पीपल चौक मालाखेड़ी कलेक्टर बंगला कमिश्नर बंगला हैप्पी मैरिज गार्डन के सामने वाले मार्ग से पोस्ट ऑफिस कोठीबाजार विवेकानंद घाट बीएसएनएल चौराहा सर्किट हाउस चौक पानी की टंकी के सामने से एनएमव्ही कॉलेज भोपाल चौराहा भोपाल रोड, परमशी गार्डन होते हुए डोंगरवाड़ा पहुंचेगी। सभी भक्तों से यात्रा में शामिल होने की अपील समिति सदस्यों ने की है।

हर तरफ से निकल रही एक ही आवाजः युवा त्रस्त, किसान त्रस्त! अवाम त्रस्त फिर भी सरकार अपनी मस्ती में मस्त!

नर्मदापुरम (निप्र)। देश की राजधानी के जंतर मंतर पर पढ़े लिखे युवाओं के साथ जो हुआ। वह पूरे देश ने देखा है। दुनिया आंख खोल कर देख रही है। अब तो हर तरफ से निकल रही एक ही आवाज सुनाई दे रही है। युवा त्रस्त, किसान त्रस्त, अवाम त्रस्त फिर भी सरकार मस्त है। वास्तव में सरकार में बैठे लोग देश के कर्णधार देश के भविष्य युवाओं पर हो रहे अंग्रेजों जैसे जुल्म को देखकर भी इतने शांत हैं। देश की बहुत बदनामी दुनिया में हो रही है। अंधभक्तों और चाटूकारों को छोड़कर सबको बुरा लग रहा है। प्रशासन व सत्ता में बैठे स्वार्थी तत्वों को कब समझ आएगा कि पूरे देश का कितने प्रतिशत अवाम इस घटनाक्रम से खफा हो चुका है। हर बात को भूल सकता है। लेकिन दिल्ली के जंतर मंत्रर पर जो दिल्ली के पुलिस वालों ने देश के युवाओं के साथ किया उसका पश्चाताप कौन करेगा? देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं का उपयोग करना देश के शासन प्रशासन को आता ही नहीं है। हजारों की संख्या में पद रिक्त पड़े हैं। यह साबुत हो चुका है कि भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा प्रक्रिया में बहुत ढिलाई है। बहुत लापरवाही बहुत मनमानी है।शिक्षित युवाओं को रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में सही तरह से कदम उठाना ही नहीं आ रहा है। इसी कारण देश की युवा शक्ति को सड़क पर अपनी अमूल्य ऊर्जा को खर्च करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में देश के उच्च शिक्षा प्राप्त युवा विदेश में अपनी कला कौशल दिखा रहे है। क्योंकि उनकी देश में कदर ही नहीं है। पढ़े लिखे युवा कई दिनों से यदि सड़क पर क्रांति करने को मजबूर हैं। तो इसके पीछे एक मात्र कारण है कि उनके लिए रोजगार स्वरोजगार की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। इतनी सी बात देश के तथाकथित कर्णधारों को समझ नहीं आ रही है। तो फिर तो चुल्लू भर पानी अपनी नाक में भर लेना चाहिए। दिल्ली पुलिस व अन्य फोर्स युवाओं को रोके रख सकती थी। लाठी चार्ज करना, अश्रुगैस का इस्तेमाल युवाओं पर करना निंदनीय नहीं बहुत ज्यादा शर्मनाक है। युवाओं में उबाल है। तभी तो सवाल है। देश की राजधानी की निकम्मी पुलिस को युवाओं को समझाना नहीं आया। उन्हें रोके रखते। लेकिन मारना तो नहीं चाहिए था। उनकी कोई बड़ी मांग नहीं है। उनकी परीक्षा की व्यवस्था को नहीं संभाल पाने वालों को कड़ी से कड़ी सजा अब तक हो जाना था जिससे दूसरी बार कोई ऐसी गलती नहीं करते। युवा मान जाते है। इस देश का अन्नदाता किसान भी बहुत परेशान है। मंहगाई सहित अन्य अव्यवस्थाओं से अवाम त्रस्त है। इसके बाद भी सरकार में बैठे लोग मस्त हैं। शर्म आनी चाहिए। लेकिन उनको क्यों शर्म आएगी। वे तो वे-शर्म हो चुके हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा ने ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में स्थिति ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, नर्मदापुरम श्री सोमेश मिश्राा द्वारा किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी का बाहरी अवलोकन किया गया।जिसमें उपस्थित प्रतिनिधियों कों वेयरहाउस में रखी गयी, ईव्हीएम मशीनों एवं व्हीव्हीपीएटी का अवलोकन कराया गया।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम् पॉलिटेक्निक में प्रवेश का अंतिम अवसर

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम् में शैक्षणिक सत्र 2026.27 हेतु सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट शाखाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पीसी नरवरे ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 12 अगस्त 2026 तक प्रत्येक सोमवार बुधवार एवं शुक्रवार को महाविद्यालय में उपस्थित होकर रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रत्येक सोमवार बुधवार एवं शुक्रवार को प्रात: 10-30 बजे से सायं 6.30 बजे तक जारी रहेगी। सीमित सीटों के कारण प्रवेश मेरिट एवं उपलब्ध सीटों के आधार पर प्रदान किया जाएगा। सीएलसी के माध्यम से रिक्त सीटों पर सीधे महाविद्यालय स्तर पर प्रवेश दिए जाते हैं। महाविद्यालय में अनुभवी शिक्षक पुस्तकालय स्मार्ट क्लास तथा अन्य सभी रोजगारोन्मुख तकनीकी शिक्षा की उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध हैं। 10वीं अथवा 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम से संपर्क कर सकते हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रही महिला को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रेड क्रॉस के माध्यम से उपलब्ध कराई सहायता

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आर्थिक संकट से जूझ रही इटारसी निवासी वृद्ध महिला श्रीमती कृष्णाबाई मेहरा को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीमती कृष्णाबाई मेहरा ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पति के निधन के बाद परिवार की आजीविका का कोई साधन नहीं बचा है। रोजगार के अभाव में उन्हें परिवार के भरण-पोषण में गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महिला की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता राशि 5,100 का चेक प्रदान किया गया।

नवीन दायित्व के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी मोनिका चौकसे : प्रीति शुक्ला

बूथ स्तर तक सशक्त होगा महिला मोर्चा- मोनिका चौकसे

नर्मदापुरम(निप्र)। महिला मोर्चा की नव नियुक्त जिला अध्यक्ष मोनिका चौकसे ने बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय नर्मदापुरम में आयोजित पदभार ग्रहण एवं स्वागत सम्मान समारोह के दौरान पदभार ग्रहण किया। जनप्रतिनिधियों पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जिला भाजपा अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में पद नहींए बल्कि कार्यकर्ता का दायित्व सर्वोपरि होता है। पद आते जाते रहते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता होना हम सभी के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली मातृशक्ति को संगठन में सशक्त भूमिका प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्रीमती मोनिका चौकसे को नवीन दायित्व की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की रीति नीति विचारधारा एवं कार्य पद्धति के अनुरूप महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगी। इस अवसर पर उन्होंने श्रीमती मोनिका चौकसे के संगठनात्मक जीवन विभिन्न दायित्वों तथा लंबे समय से पार्टी के प्रति उनके समर्पित योगदान से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्रीमती मोनिका चौकसे ने कहा कि महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की रीति-नीति और विचारधारा को प्रत्येक घर तक पहुंचाने के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कार्यक्रम का संचालन कीर्ति वर्मा ने एवं आभार ममता नागवंशी ने माना। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री राजो मालवीय पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री ज्योति चौरे जिला उपाध्यक्ष अर्चना साहू नपा अध्यक्ष नीतू यादव पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अर्चना पुरोहित जिला कार्यालय मंत्री वंदना दुबे रंजना मीना संध्या सिंघारे मंचासीन रही। इस दौरान प्रदेश सह संयोजक पीयूष शर्मा जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी सम्राट तिवारी प्रशांत दीक्षित, अमित माहला, सागर शिवहरे रूपेश राजपूत रोहित गौर आमीन राईन राजेश रैकवार हरि यादवए गौरव मालवीय सहित महिला मोर्चा की जिला पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आदि उपस्थित रही।

मखाना उत्पादन से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

एम.पी. एग्रो फार्म माखननगर में जिला स्तरीय सेमिनार एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित मखाना की वैज्ञानिक खेती और प्रोसेसिंग की दी गई जानकारी

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग, नर्मदापुरम द्वारा एम.पी. एग्रो फार्म, बाबई (माखननगर) में मखाना की हार्वेस्टिंग (फसल कटाई) पर जिला स्तरीय सेमिनार एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय सहायता प्राप्त मखाना बोर्ड के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले सहित पन्ना एवं रायसेन के लगभग 200 किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मखाना उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना, वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देना तथा मखाना उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने मखाना की उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती, फसल प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, विपणन एवं ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।प्रशिक्षण में बिहार के दरभंगा से आए मखाना विशेषज्ञ अमरजीत साहनी ने किसानों को मखाना उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया, आधुनिक तकनीकों तथा बेहतर गुणवत्ता के उत्पादन के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर किसान मखाना उत्पादन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित कर सकते हैं। कार्यक्रम में किसानों को मखाना की प्रोसेसिंग एवं वैल्यू एडिशन के माध्यम से उत्पाद का मूल्य बढ़ाने तथा प्रभावी मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग कर अधिक लाभ अर्जित करने के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए। साथ ही फसल को बीमारियों एवं हानिकारक कीटों से सुरक्षित रखने के उपायों पर भी विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उप संचालक उद्यान, जिला नर्मदापुरम द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ मखाना उत्पादन को अपनाने का आह्वान किया गया, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो तथा वे आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर पटैल, जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति के सभापति अजित मडंलोई, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सवित्रीबाई परनामे, शिवा राजपूत, श्रीमती रीता उईके, उप संचालक उद्यान सहित नर्मदापुरम, पन्ना एवं रायसेन जिले के मखाना उत्पादक एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पिपरिया में नवांकुर अभियानः ग्राम बनवारी में सीडबॉल प्रक्षेपण और पौधारोपण का आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। नवांकुर अभियान के तहत मंगलवार को तहसील पिपरिया के ग्राम बनवारी में सीडबॉल प्रक्षेपण एवं वृहद पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य हरित आवरण बढ़ाना और ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना था।कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया आकिप खान, जनपद पंचायत पिपरिया के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, तहसीलदार, ग्राम सरपंच, अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे। सीडबॉल प्रक्षेपण के बाद गांव में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस दौरान अधिकारियों और ग्रामीणों ने मिलकर पौधारोपण किया। ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए एसडीएम आकिप खान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हरित आवरण बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करें। तभी हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित भविष्य दे पाएंगे।

नर्मदापुरम में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 3 प्रकरण दर्ज, 71 हजार की मदिरा और स्कूटी जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय और परिवहन पर नकेल कसने के लिए जिला प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। आबकारी विभाग की टीम ने नर्मदापुरम शहर के बालागंज क्षेत्र में आकस्मिक दबिश दी। बुधवार को हुई इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 3 प्रकरण कायम किए गए। मौके से 155 पाव देशी एवं विदेशी मदिरा के साथ ही एक जुपिटर स्कूटी क्रमांक M P05 ZK1053 भी जप्त की गई। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त की गई शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 71,800 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई वृत्त प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार के नेतृत्व में की गई। इसमें सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल कुमार ढोके, अशोक माहोरे, अभिलाष पाठक, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया, हितेश बिशोरिया और रघुवीर प्रसाद निमोदा का विशेष योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com